छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-302

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

भूटान में ग्लेशियल लेक फटी, बंगाल-असम में बाढ़ का खतरा



जयपुर/भोपाल/लखनऊ। भूटान में शिंताफू झील से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के बाद पश्चिम बंगाल और असम के बॉर्डर एरिया में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। संकोश नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद बंगाल के अलीपुरद्वार में अलर्ट जारी है। करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। टीम तैनात है।इधर, चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इसके बावजूद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश जारी है।14 राज्यों में रेड-ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

सीएम बोले- इसमें हैरानी की बात नहीं, यह महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपरा



मुंबई। कार्यक्रम 75 कार्टूनिस्टों के काम और उनके परिचय पर आधारित पुस्तक के विमोचन का था।मुंबई में गुरुवार को एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे एक मंच पर नजर आए।यह कार्यक्रम 75 कार्टूनिस्टों के काम और उनके परिचय पर आधारित पुस्तक के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में हमेशा से अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच बातचीत और आपसी मेलजोल की परंपरा रही है।

कैंसर का 80 हजार का इंजेक्शन 7 हजार में मिलेगा



मुंबई। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद 397 यानी 73त्न दवाओं के दाम घटाए गए हैं।इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70त्न से ज्यादा और 50 में 80त्न से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90त्न से ज्यादा कटौती हुई है।सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत ?80,071 से घटाकर ?7,150 कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत ?40,421 से घटकर 2,720 हो गई है।सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही? इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सीजेआई बोले- बैंक डिजिटल अरेस्ट की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते



नई दिल्ली।सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर गुरुवार को चिंता जताई। कहा कि जागरूकता अभियान और लगातार खबरें आने के बावजूद शिक्षित लोग भी इन घोटालों का शिकार कैसे हो रहे हैं।चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कमेंट किया, 'अगर बैंक की लापरवाही के कारण साइबर ठगी होती है तो बैंक पीड़ित को मुआवजा दें और जिम्मेदारी तय होने पर कार्रवाई का सामना करें। यह अभी प्रस्ताव है, अंतिम आदेश नहीं।'2026 में देश में डिजिटल अरेस्ट के 22 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए। साइबर अपराधियों ने लोगों से 800 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की है।

मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणा

मुख्यमंत्री ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर उनकी आदमकद प्रतिमा का किया अनावरण

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल माध्यम से सरगुजा अंचल में आयोजित जनजातीय समाज के महान जननायक, प्रख्यात अभियंता एवं पूर्व सांसद बाबा कार्तिक उरांव के जन्मशताब्दी समारोह में शामिल होकर उनकी भव्य आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर का नामकरण 'अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर' करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का जीवन शिक्षा, संघर्ष, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और समाज तथा राष्ट्र की सेवा करने की प्रेरणा देते रहेंगे।मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सीतापुर क्षेत्र को अधोसंरचना विकास की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए सोनतराई से सूर तक लगभग 3.82 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के निर्माण पर 28 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इसके निर्माण से सीतापुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा तथा व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा नवनिर्मित महिला एनजीओ मेसलोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों और जवानों को बेहतर आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराना राज्य सरकार की



महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इन नवीन भवनों से पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

बाबा कार्तिक उरांव का जीवन जनजातीय समाज के स्वाभिमान और उत्थान के लिए रहा समर्पित

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि बाबा कार्तिक उरांव केवल जनजातीय समाज के महान नेता ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी विचारक, उच्च शिक्षित अभियंता और समाज के अधिकारों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज में शिक्षा के प्रसार, सामाजिक जागरूकता, संगठन और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने उस समय उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जब जनजातीय समाज के लिए शिक्षा के अवसर अत्यंत सीमित थे। उन्होंने इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की और विदेश में भी उच्च अध्ययन कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। उनकी यह उपलब्धि पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज में परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त साधन बनाया। उनका विश्वास था कि शिक्षा, संगठन और जागरूकता के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए विकास की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने जनजातीय समाज को अपनी परंपराओं, संस्कृति और मूल पहचान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने समाज को संगठित करने के साथ नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और शिक्षा के बल पर विपरीत परिस्थितियों में भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं।

संसद में जनजातीय समाज के अधिकारों की मुखर आवाज बने बाबा कार्तिक उरांव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने लोकसभा सांसद के रूप में जनजातीय समाज की समस्याओं और अधिकारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली ढंग से उठाया। उन्होंने जनजातीय समुदाय के संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक हितों और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए।

मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि बाबा कार्तिक उरांव ने धर्मांतरण के बाद जनजातीय आरक्षण एवं अन्य संवैधानिक सुविधाओं के लाभ से जुड़े विषयों को भी संसद में प्रमुखता से उठाया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का मानना था कि जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराएँ, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विरासत उसकी मूल पहचान हैं। इनका संरक्षण करते हुए समाज को शिक्षा, तकनीक और आधुनिक विकास के अवसरों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर इंजीनियरिंग महाविद्यालय का नामकरण नई पीढ़ी के लिए बनेगा प्रेरणास्रोत

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी के अवसर पर जनजातीय समाज और क्षेत्रीय सांसद द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर का नाम उनके नाम पर रखने का आग्रह किया गया है। जनजातीय समाज की भावनाओं और बाबा कार्तिक उरांव के ऐतिहासिक योगदान का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने इस आग्रह को स्वीकार किया है।मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर 'अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर' के नाम से जाना जाएगा।

31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस,

पीएम मोदी होंगे शामिल; 'नक्सल मुक्त भारत' पर खास थिएटर शो

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरदार पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को गुजरात में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पीएम मोदी भी शामिल होंगे और मंच से देश को संबोधित करेंगे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती हर साल 31 अक्टूबर को मनाई जाती है। भारत के आधुनिकीकरण और एकीकरण में उनके योगदान को देखते हुए इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस



साल राष्ट्रीय एकता दिवस का मुख्य समारोह 31 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे गुजरात के एकता नगर में आयोजित किया जाएगा।

सिविल सोसायटीज के जरिए स्ट्रक्चर पॉजिटिव नैरेटिव बनाने की रणनीति

नई दिल्ली। भाजपा की बैठक में यह तय हुआ कि देशभर के सभी जिलों में गैर सरकारी और गैर राजनीतिक संगठनों के जरिए स्ट्रक्चकी हकीकत बताई जाएगी। हर जिले में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाए, साथ में जन संवाद भी कराए जाएं। कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के पहले मॉक पार्लियामेंट और फिर 1 नवंबर को होने वाली रैली पर जवाब देने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) मुख्यालय में आज गुरुवार को गहन मंथन हुआ। साथ ही बीजेपी इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन के असर को कम करने के लिए सिविल सोसायटी को आगे कर SIR पर पॉजिटिव नैरेटिव बनाने की कोशिश में है।

विपक्ष के हमले के जवाब के लिए बीजेपी के अंदर राजनीतिक रणनीति पर मंथन चल रहा है।

विपक्ष के हल्ला बोल पर भाजपा की खास तैयारी,

रूस का यूक्रेन के रेलवे स्टेशन पर हमला



एजेंसी ➤ कीव

यूक्रेन के मध्य में स्थित निप्रो शहर में गुरुवार सुबह रूसी ड्रोन ने रेलवे स्टेशन पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं।शहर के मेयर बोरिस फिलातोव ने कहा कि ड्रोन ने यात्रियों को ले जाने वाली इलेक्ट्रिक ट्रेन को निशाना बनाया।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले को भयावह बताया। उन्होंने रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की, ताकि ऐसे हमलों को रोका जा सके।यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी के मुताबिक, ड्रोन ने उस प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया, जहां निप्रो से जापोरिजिया जाने वाली ट्रेन नंबर 866 खड़ी थी।ट्रेन रवाना होने की तैयारी में थी। रेलवे कंपनी ने बताया कि खतरे को लेकर चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

रेलवे नेटवर्क पर 8 महीने में 1600 से ज्यादा हमले

रूस ने 2026 के पहले 8 महीनों में यूक्रेन के रेलवे नेटवर्क पर 1,600 से ज्यादा हमले किए। इनमें ट्रेन, रेल इंजन और रेलवे से जुड़े दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया गया।

विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा केज्यादा रेल इंजनों को नुकसान पहुंचा चुका है या नष्ट कर चुका है।



दिल्ली-वाराणसी के बीच जल्द चलेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

वाराणसी। वाराणसी के लोगों को भारतीय रेल खास सौगात देने जा रही है। राजधानी दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत होने वाली है। दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने जा रही है। यह उद्घाटन 31 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है। यह ट्रेन करीब 760 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इसमें कुल 16 कोच होंगे, जिनमें 11 थर्ड एसी, चार सेकंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच शामिल है। ट्रेन में करीब 823 यात्रियों के सफर करने की क्षमता बताई गई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-कोहली से बिना पटाखे दिवाली की अपील कराएं

प्रदूषण से 20 लाख मौतों के दावे पर टिप्पणी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिना पटाखे चलाए दिवाली मनाने को लेकर सुझाव दिया। कोर्ट ने कहा कि विराट कोहली जैसी मशहूर शख्सियतों की मदद से लोगों को जागरूक किया जा सकता है।जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई कर रही थी। जस्टिस वराले ने कहा, जनता को जागरूक करने के लिए अच्छे खिलाड़ियों या जीवन के किसी भी क्षेत्र में सम्मानित लोगों की सेवाएं क्यों नहीं ली जा सकतीं?कोर्ट ने सुझाव दिया कि मशहूर हस्तियों से ऐसे वीडियो या मैसेज रिकॉर्ड कराए जा सकते हैं, जिनमें वे लोगों से प्रदूषण बढ़ाए बिना दिवाली मनाने की अपील करें।कोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि पटाखों पर लगी पाबंदियों का टीवी, अखबारों और दूसरे माध्यमों से प्रचार किया जाए।



दिल्ली में फाइनल लिस्ट अब 22 दिसंबर को;

6 राज्यों में एसआईआर की समयसीमा बढ़ी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

SIR के तीसरे चरण में हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (स्ट्रक्च) हो रहा है। स्ट्रक्चके तीसरे चरण में हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (स्ट्रक्च) हो रहा है।चुनाव आयोग ने 6 राज्यों में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का शेड्यूल बदल दिया। आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में मतदाताओं को नाम जुड़वाने, कटवाने या किसी गड़बड़ी पर दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त समय दिया है।वहीं, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना और नगालैंड में नोटिस



तीसरे फेज में 36.73 करोड़ वोटर्स का वेरिफिकेशन

स्ट्रक्चके तीसरे चरण में हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में SIR हो रहा है। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन होगा। SIR के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं।तीसरे फेज में SIR वाले राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा वोटर हैं। दादरा और नगर हवेली एवं दमन-दीव में वोटरों की संख्या सबसे कम है।SIR के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में SIR प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। तीनों बचे हुए राज्यों में खराब मौसम और जनगणना के कारण SIR के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी।चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में SIR कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। पहले फेज के तहत, बिहार में सबसे पहले SIR हुआ था।

न्यूज इन शॉर्ट



नकली नोट छापकर बाजार में चलाने वाले 2 आरोपीयो को पुलिस ने कोसीर से किया गिरफ्तार !

सारंगढ़ । जिले के हसौद थाना क्षेत्र में नकली नोट छापने के बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने कोसीर क्षेत्र से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रिंटर की मदद से 100 और 500 रुपये के नकली नोट छाप कर बाजार में चलाते थे। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों के पास से नकली नोट, प्रिंटर और अन्य सामग्री बरामद की गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी दोनों ने नकली नोट छापना स्वीकार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

खैरागढ़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई, गांव में विवाद करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

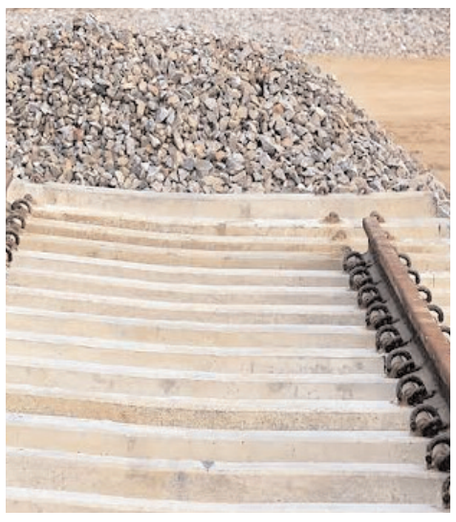
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में शांति व्यवस्था भंग करने और गांव में लड़ाई-झगड़ा कर लोगों को परेशान करने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। खैरागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खजरी में विवाद और अशांति फैलाने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को पकड़कर थाने लाया और उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इसके बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।ग्राम खजरी में विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम खजरी में दो व्यक्तियों द्वारा लड़ाई-झगड़ा कर आसपास के लोगों को परेशान करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में खैरागढ़ थाना पुलिस की टीम तत्काल गांव के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें पकड़कर थाने लाया। पुलिस के अनुसार, दोनों के खिलाफ सार्वजनिक शांति भंग करने की आशंका को देखते हुए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।खैरागढ़ पुलिस ने इस कार्रवाई में ग्राम खजरी निवासी दो व्यक्तियों को पकड़ा है। पहले व्यक्ति की पहचान सिद्धू गेंडे पिता ढेलूराम के रूप में हुई है। वह ग्राम खजरी, थाना खैरागढ़ का निवासी है। दूसरे व्यक्ति की पहचान नंदकुमार जोशी पिता जुमेलाल जोशी के रूप में हुई है। वह भी ग्राम खजरी का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, दोनों के खिलाफ लड़ाई-झगड़ा करने और शांति व्यवस्था प्रभावित करने संबंधी सूचना प्राप्त हुई थी। इसी आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के खिलाफ इस्तगासा क्रमांक 74/382/2026 के तहत कार्रवाई की है। प्रकरण में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126 और 135(3) का उल्लेख किया गया है। इन प्रावधानों के तहत सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका जैसी परिस्थितियों में पुलिस और सक्षम न्यायालय द्वारा निर्धारित कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों को थाने लाकर आवश्यक दस्तावेज तैयार किए और न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।खैरागढ़ पुलिस द्वारा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों व्यक्तियों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, न्यायालय में पेशी के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

पेण्ड्रारोड-गेवरा रेलवे प्रोजेक्ट में गाड़ी मालिक से धोखाधड़ी, 1.22 लाख किराया अटका, EMI भी नहीं भर पाया

पीड़ित ने 28/10/2026 को थाना पेंड्रा में रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

एक सत बुलेटिन ➤ पेंड्रा



ए पेण्ड्रारोड से गेवरा रोड रेलवे लाइन प्रोजेक्ट में अपनी बोलेरो नियो लगाने वाले आदिवासी वाहन मालिक को 4 माह से किराया नहीं मिला है। गाड़ी की हालत खस्ता हो गई, 2 माह की श्रृख्छ टूट गई, फिर भी इकरारनामा तक नहीं बनाया गया। पीड़ित ने 28/10/2026 को थाना पेंड्रा में रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम कुदरी, थाना पेंड्रा निवासी राजा जसपाल सिंह पिता श्री रमेश फ्रेड, मो. 7200460594 ने थाना प्रभारी पेंड्रा को दी शिकायत में बताया कि उसकी बोलेरो नियो छत्र-13-ङ्क-0699 को 10/06/2026 से 26/10/2026 तक 27 हजार रुपये प्रतिमाह और 11 के माइलेज पर डीजल प्रोजेक्ट द्वारा देने की शर्त पर पेण्ड्रारोड-गेवरा प्रोजेक्ट में लगाया गया था।

डिजल भारत पेट्रोलियम ज्योति राय एंड संस पेंड्रा से भरवाया जाता था। प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने लॉग बुक में 60 लीटर डीजल मालिक द्वारा भरवाने की जानकारी लिखकर हस्ताक्षर भी किए थे।

पीड़ित के अनुसार इरकॉन इंटरनेशनल के एएम गणेश मोदनवाल और इंजीनियर सौरभ सिंह चौहान द्वारा पेंड्रा से पसान तक उपयोग होने वाले वाहनों का भुगतान सेनवर्स कंपनी द्वारा किया जाता है। 15/09/2026 को तुषार राजन साव ने 20 हजार रुपये यह कहकर दिया कि बिल आने पर वापस ले लेंगे।

आज-कल कहकर टालते रहे, इकरारनामा तक नहीं बनाया

आरोप है कि प्रोजेक्ट मैनेजर अनुज कुमार और बिलिंग इंजीनियर शुभम ने पहले आरसी बुक आपके नाम पर नहीं है कहकर भुगतान टाला, फिर जब राजा ने गाड़ी अपने नाम ट्रांसफर करा ली, तब भीआज बिल बना रहे हैं, कल करा देंगे÷ कहकर तारीख पर तारीख दी जाती रही।

न तो आज तक इकरारनामा बनाया गया, न ही गाड़ी का मेंटेनेंस कराया गया। गाड़ी की स्थिति अत्यंत गंभीर बिगड़ी हालत में पहुंच गई है। जिसके कारण 2 माह की ईएमआई भी नहीं भर पाया है।

पीड़ित ने बताया कि 10 जून से 26 अक्टूबर तक उसकी कुल किराया राशि 1,22,400 रुपये होती है, जिसमें से 20,000 नगद मिला है। शेष राशि तत्काल दिलाने और वाहन का मेंटेनेंस कराने की मांग की है।

पीड़ित ने कहा कि वह शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित है और अधिकारियों द्वारा छलकपट कर ठगी की जा रही है।

इस शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, रेलवे पुलिस पेण्ड्रारोड और मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर को भी भेजी गई है। थाना पेंड्रा में शिकायत पर मोहर लग गई है।

स्वर्णकार समाज ने मनाई आदि गुरु अजमीढ़ की जयंती सुंदरकांड पाठ, हवन व सामूहिक भोज का आयोजन

एक सत बुलेटिन ➤ पेंड्रा



स्वर्णकार समाज के आदि गुरु अजमीढ़ की जयंती पेंड्रा में उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर समाज के महिला, पुरुष और बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और आदि गुरु अजमीढ़ के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

जयंती समारोह का शुभारंभभक्तिमय सुंदरकांड पाठ के साथ हुआ। सुंदरकांड की प्रस्तुति से पूरा वातावरण अध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया और उपस्थित श्रोतागण भक्ति रस में मंत्रमुग्ध दिखे।धार्मिक अनुष्ठानों की इस कड़ी में, समाज के सभी उपस्थित सदस्यों का पीतांबरी वस्त्र और माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद, विधि-विधान से हवन संपन्न किया गया, जिसमें सभी ने आहुतियां दीं। हवन के पश्चात, समाज के लोगों ने आदि गुरु अजमीढ़ की आरती उतारीऔर सुख, शांति, समृद्धि के साथ-साथ समाज की निरंतर उन्नति के लिए मंगल कामना की। पूजा-अर्चना और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के उपरांत, सभी समाजजनों ने एक साथ सामूहिक भोज ग्रहण किया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का एक अनुपम संगम देखने को मिला। स्वर्णकार समाज के सदस्यों ने इस जयंती समारोह को सफल बनाने में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

ामूहिक भोज के समापन के साथ ही कार्यक्रम भी संपन्न हो गया।

महिला आयोग की जनसुनवाई में 30 मामलों पर सुनवाई, 10 प्रकरणों का निपटारा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई में महिलाओं से जुड़े विभिन्न मामलों पर सुनवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में रायपुर जिले के प्रकरणों की जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, संपत्ति विवाद, कार्यस्थल से संबंधित शिकायतों और नाबालिग बच्ची की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर विचार किया गया। जनसुनवाई में कुल 47 प्रकरण सूचीबद्ध थे, जिनमें से 30 मामलों पर सुनवाई हुई और 10 प्रकरणों का निराकरण कर उन्हें नस्तीबद्ध किया गया। जनसुनवाई के दौरान आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी भी उपस्थित रहीं। आयोग ने विभिन्न मामलों में दोनों पक्षों की बात सुनने के साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई प्रकरणों में दस्तावेज प्रस्तुत करने और आगामी सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए।

बैंक से जुड़े मामले में 15 दिन का समय

जनसुनवाई के दौरान बैंक से संबंधित एक शिकायत पर भी सुनवाई हुई। इस मामले में आवेदिका के पक्ष के समर्थन में बैंक की एक महिला अधिकारी ने आयोग के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। आयोग ने संबंधित अनावेदक पक्ष को शिकायत का जवाब और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया। इसके अलावा आगामी सुनवाई में बैंक की आंतरिक शिकायत समिति से जुड़े अभिलेखों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। आयोग ने मामले में उपलब्ध दस्तावेजों और दोनों पक्षों के कथनों के आधार पर आगे सुनवाई करने का निर्णय लिया।एक अन्य प्रकरण में महिला ने संपत्ति के बंटवारे और अपने स्वर्गीय पति के होटल व्यवसाय में हिस्सेदारी से संबंधित शिकायत प्रस्तुत की थी। आयोग ने इस मामले में दोनों पक्षों को सुनते हुए ।

जिले के 95 उपार्जन केन्द्रों में 15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

धान खरीदी की तैयारियों में कोई कमी न रहे, कलेक्टर ने दिए कड़े निर्देश

'तुहर टोकन' एप से किसानों को मिलेगी सुविधा, अवैध धान परिवहन पर होगी सख्त कार्रवाई

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़



,खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर आज कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से प्रारंभ होकर 31 जनवरी 2027 तक चलेगी। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों ने अनुविभागीय अधिकारियों, खाद्य, सहकारिता एवं मंडी विभाग के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों और ऑपरेटरों को खरीदी प्रक्रिया तथा आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी।

जिले में कुल 95 धान उपार्जन केन्द्र हैं। इनमें सारंगढ़ विकासखंड में 30, बरमकेला में 27 और बिलाईगढ़ विकासखंड में 38 केन्द्र शामिल हैं। कलेक्टर ने सभी केन्द्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर निर्देश दिए कि खरीदी शुरू होने से पहले शासन द्वारा निर्धारित सभी बुनियादी और मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने तौल मशीनों का सत्यापन समय पर कराने, प्रत्येक केन्द्र में आर्द्रतामापक यंत्र की उपलब्धता सुनिश्चित करने और खराब या बंद पड़े यंत्रों को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। जिन केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में नहीं हैं, वहां शीघ्र व्यवस्था कर उन्हें क्रियाशील किया जाए। खरीदी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और किसानों को असुविधा का सामना न करना पड़े–इसके लिए संबंधित अधिकारी तैयारियों की नियमित समीक्षा करें।

धान खरीदी की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी केन्द्रों की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। कलेक्टर ने राज्य, जिला और विकासखंड स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि खरीदी प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी ढंग से संचालित हो। किसानों की सुविधा के लिए 'तुहर टोकन' मोबाइल एप के माध्यम से टोकन काटने की व्यवस्था रहेगी। किसान समिति में पहुंचकर भी टोकन प्राप्त कर सकेंगे। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार दो एकड़ तक के किसानों के लिए एक, दो से दस एकड़ तक के किसानों के लिए दो और दस एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों के लिए तीन टोकन की सुविधा दी गई है।

कलेक्टर ने सीमावर्ती राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर उपार्जन केन्द्रों में खपाने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अवैध धान परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए अनुविभागीय अधिकारियों के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में तहसीलदार की अध्यक्षता में उड़नदस्ता दल गठित किया गया है। दल में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक, सहकारिता निरीक्षक, मंडी सचिव, मंडी निरीक्षक और मंडी उपनिरीक्षक शामिल हैं। कलेक्टर ने दलों को सतत निगरानी रखते हुए अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिले के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील उपार्जन केन्द्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इन केन्द्रों के लिए तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक और राजस्व निरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने और खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी व्यवस्थाओं का स्थल पर निरीक्षण कर कमियों को दूर कराने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर सुश्री वर्षा बंसल, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, खाद्य अधिकारी, उपसंचालक कृषि, सहायक आयुक्त सहकारिता, जिला विपणन अधिकारी, मंडी विभाग के अधिकारी, सभी समिति प्रबंधक और ऑपरेटर उपस्थित रहे।

आवश्यक अभिलेखों के साथ वीसी में जुड़ने के निर्देश दिए गए

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ विधानसभा के सरिया क्षेत्र की विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायपुर स्थित अपने शासकीय आवास से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर सारंगढ़ -बिलाईगढ़ जिले के रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सरिया अंचल में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की। जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में उन्होंने संबंधित विभागों से कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। चौधरी ने स्वीकृत कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

विद्युत, पेयजल और अमृत मिशन के कार्यों पर चर्चा



समीक्षा बैठक में राजपुर 132 केवी विद्युत परियोजना, अमृत मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों तथा क्षेत्र में जल स्तर से जुड़ी स्थिति और समस्याओं पर चर्चा हुई। मंत्री ने संबंधित विभागों को कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी करने और सामने आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

जिन स्वीकृत कार्यों के टेंडर जारी हो चुके हैं, उनकी प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करने को कहा गया। बैठक में सरिया क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और उनकी अद्यतन जानकारी उपलब्ध रखने पर भी जोर दिया गया।

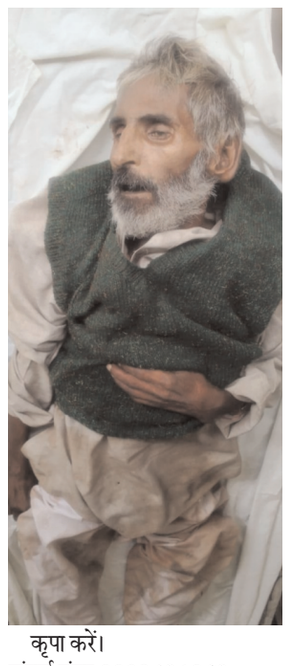
अस्पताल और सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश

नर्सिंग कॉलेज के लिए निर्माण प्रक्रिया और 100 बिस्तरों के अस्पताल की गुणवत्ता की समीक्षा की गई। मंत्री ने संबंधित निर्माण विभाग को कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और निर्माण की प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए। क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़कों के संबंध में भी चर्चा हुई। उन्होंने संबंधित विभागों से सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और कार्य निर्धारित समय में पूरा करने को कहा।

समीक्षा के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़, तहसीलदार सरिया एवं बरमकेला, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सरिया सहित जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, विद्युत विभाग और सीएसईबी के संबंधित अधिकारियों को सरिया क्षेत्र के कार्यों की अद्यतन जानकारी एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ वीसी में जुड़ने के निर्देश दिए गए।

पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पर अज्ञात बुजुर्ग की मौत, परिजनों की तलाश जारी

आज दिनांक 28/10/26 को रेलवे स्टेशन पेंड्रा रोड में स्टेशन मास्टर महोदय पेंड्रा रोड के सूचना पर से ट्रेन नंबर 15160 सारनाथ एक्सप्रेस से एक अज्ञात पुरुष किसकी उम्र 65-70 वर्ष लगभग का तबियत खराब होने से ट्रेन से उतर कर एमबुलेस 108 की सहायता से शासकीय जिला अस्पताल गौरेला ले जाया गया जहां डॉ साहब द्वारा प्रारंभिक जांच में डेड घोषित किया गया । साथ में बताया गया कि किसी बीमारी से मौत होना प्रतीत होता है। जिसकी सूचना जीआरपी चौकी पेंड्रा रोड को दिया गया जिन्होंने प्राथमिक जांच मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही की किया गया मृतक के शव को सुरक्षार्थ हेतु मर्चुरी में रख कर वारिसानो की तलाश की जा रही है ।



जानकारी मिलने पर जीआरपी चौकी पेंड्रा रोड को अवगत कराने की कृपा करें।

संपर्क नंबर 9993421962

न्यूज इन शॉर्ट

खैरागढ़ सरकारी अस्पताल में 4 नवंबर को नि:शुल्क कैंसर रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन

खैरागढ। जिले के नागरिकों को कैंसर रोग की जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर एवं खैरागढ़ सरकारी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में 4 नवंबर 2026, बुधवार को नि:शुल्क कैंसर रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर खैरागढ़ सरकारी अस्पताल में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा।
शिविर में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. बबलेश महावर, डॉ. नवीन जैन एवं डॉ. रूचिर धाकड़ द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। शिविर में सिर एवं गर्दन के कैंसर, विभिन्न प्रकार के ट्यूमर तथा कैंसर से संबंधित अन्य समस्याओं के संबंध में विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही कैंसर की शीघ्र पहचान, आधुनिक उपचार पद्धतियों एवं दर्द निवारण संबंधी जानकारी भी दी जाएगी।
शिविर का उद्देश्य कैंसर के संभावित लक्षणों की समय पर पहचान कर मरीजों को उचित उपचार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र मरीजों को नियमानुसार नि:शुल्क उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है।
जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रबंधन ने नागरिकों से अपील की है कि कैंसर संबंधी लक्षणों या स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे व्यक्ति इस शिविर का लाभ उठाएं। शिविर में पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए निखिलेश बोरकर से मोबाइल नंबर 84355 49571 पर संपर्क किया जा सकता है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत विगत तीन वर्षों में 6,836 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के लिए विगत तीन वर्षों में कुल 6,836.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। मिशन के अंतर्गत एकल ग्राम एवं समूह जलप्रदाय योजनाओं सहित अन्य मदों में नियमानुसार भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है।जल जीवन मिशन के राज्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत तीन वर्षों में एकल ग्राम योजनाओं के अंतर्गत 4,985.35 करोड़ रुपये तथा समूह जलप्रदाय योजनाओं के अंतर्गत 1,690.94 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार सपोर्ट मद में 136.18 करोड़ रुपये तथा जल गुणवत्ता जांच संबंधी कार्यों के लिए 24.04 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।विभागीय जानकारी के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में एकल ग्राम योजनाओं के भुगतान के लिए 612 करोड़ रुपये का आबंटन प्राप्त हुआ है। इसके विरुद्ध अब तक 162.46 करोड़ रुपये का आबंटन जारी किया जा चुका है। शेष राशि के संबंध में भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भुगतान की कार्यवाही जारी है। जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के भुगतान की प्रक्रिया सतत रूप से संचालित है। विभाग द्वारा उपलब्ध वित्तीय आबंटन के अनुरूप भुगतान संबंधी कार्यवाही की जा रही है।

बस्तर ओलंपिक 2026 के पंजीयन के लिए जागरूकता रथ रवाना'

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में बस्तर ओलंपिक 2026 का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के प्रथम चरण में अधिक से अधिक युवाओं को पंजीयन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिले में अब तक 70,460 खिलाड़ियों का पंजीयन किया जा चुका हैए जिसमें 46,949 महिला खिलाड़ी एवं 23,513 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इसी क्रम में 28 अक्टूबर 2026 को बस्तर ओलंपिक के पंजीयन के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पंजीयन जागरूकता रथ को जनप्रतिनिधियोंए गणमान्य नागरिकों एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों की उपस्थिति में उत्साहपूर्वक रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एमण् भार्गव एवं जिला खेल अधिकारी ने बताया कि जिले में विभिन्न विभागों के समन्वय से व्यापक स्तर पर खिलाड़ियों का पंजीयन किया जा रहा है।

सेवा सेतु से महज दो दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, विशाल संदीप सोरेन को मिली बड़ी राहत

ऑनलाइन आवेदन से आसान हुई शासकीय सेवा, समय पर प्रमाण पत्र मिलने से विशाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सेवा पहल 'सेवा सेतु' आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऑनलाइन माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के लिए आवेदन और प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा से नागरिकों को राहत मिल रही है। इसी क्रम में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन को सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने के महज दो दिनों के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन की इस सुविधा की सराहना की।



विशाल संदीप सोरेन, पिता विलियम सोरेन ने आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के परीक्षण एवं निर्धारित औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात मात्र दो दिनों में उनका आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। जारी प्रमाण पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उनके परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 1 लाख 8 हजार रुपये दर्ज की गई है। निर्धारित समय में प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा मिली।

दो दिन में जारी हुआ आय प्रमाण पत्र

तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत नगर पंचायत नई लेदरी निवासी

डिजिटल सेवाओं से नागरिकों को मिल रही सहूलियत

आय प्रमाण पत्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अन्य पात्रता संबंधी कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त होने से नागरिकों को अपने आवश्यक कार्य पूरे करने में आसानी होती है। सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा ने शासकीय सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच को अधिक सरल बनाता है। डिजिटल प्रक्रिया से आवेदन एवं प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ समयबद्धता को भी बढ़ावा मिल रहा है।

महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण एवं शासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए किया प्रेरित

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 29 बालिकाओं ने किया शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं प्रशासनिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की 29 बालिकाओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।





भ्रमण के दौरान बालिकाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला बाल संरक्षण इकाई, किशोर न्याय बोर्ड, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं बाल कल्याण समिति की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। संबंधित अधिकारियों ने महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सहायता के लिए संचालित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।
इस अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, मिशन वात्सल्य, स्पॉन्सरशिप योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (क्क्स्ड्डड्ड), सुकन्या समृद्धि योजना, महिला सशक्तिकरण तथा बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा और जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न शासकीय संस्थाएं कार्यरत हैं।
कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, साइबर सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, स्वच्छता तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। उन्हें अपने लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने, आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने और भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।
बालिकाओं ने अधिकारियों से संवाद कर शासकीय सेवाओं एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। यह शैक्षणिक भ्रमण बालिकाओं के ज्ञानवर्धन, व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक दृष्टिकोण निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा स्वल्पाहार के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।



मनेंद्रगढ़ के दो शासकीय विद्यालयों में हुई जागरूकता शिविर आयोजित, 664 छात्राओं ने लिया भाग

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम एवं बाल अधिकारों के प्रति किया जागरूक



एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बचपन बचाओ आंदोलन के तहत 'सुरक्षित बचपन अभियान' अंतर्गत अखिल भारतीय विद्यालय जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत मनेंद्रगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम), शिक्षा के अधिकार तथा बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।
यह कार्यक्रम माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। शिविर में जीएमएफसी भूमिका ध्रुव ने विद्यार्थियों को बच्चों की सुरक्षा, उनके कानूनी अधिकारों और किसी भी प्रकार के शोषण से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

पॉक्सो अधिनियम एवं बाल संरक्षण पर विशेष जोर

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों और बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में रहने, शिक्षा प्राप्त करने और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। बच्चों के प्रति किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार या शोषण की स्थिति में जागरूक रहना और उचित माध्यम से सहायता प्राप्त करना आवश्यक है।

शिक्षा का अधिकार और नैतिक मूल्यों की दी गई जानकारी

शिविर के दौरान शिक्षा के अधिकार, बाल संरक्षण और बच्चों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी जैसे नैतिक मूल्यों का महत्व समझाया गया। साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी असुरक्षित परिस्थिति में विश्वसनीय व्यक्ति या संबंधित प्राधिकरण से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

664 छात्राओं की रही सहभागिता

दोनों विद्यालयों में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कुल 664 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य अर्चना सहित विद्यालयीन स्टाफ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को सुरक्षित बचपन, शिक्षा, सम्मान और संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।
कार्यक्रम में अधिकार मित्र (पीएलवी) अंजनी यादव की भी सहभागिता रही। 'सुरक्षा और संरक्षण हर बच्चे का अधिकार' संदेश के साथ आयोजित इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना तथा सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा।

2025-26 में एकलव्य विद्यालय कोसमबुड़ा का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा

कलेक्टर ने एकलव्य आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा का निरीक्षण कर ली बैठक

कलेक्टर ने बच्चों से बातचीत कर सिविल सर्विस, इंजीनियरिंग, मेडिकल, फैषन डिजाइन के क्षेत्र में बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जनजातीय गौरव दिवस पर एकलव्य आवासीय विद्यालय के पांच बच्चों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ गरियाबंद

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने आज छुरा विकासखंड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से बातचीत की और विभिन्न विषयों एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित सवाल पूछे। इस दौरान विद्यार्थियों ने कलेक्टर के सवालों का सही जवाब दिया। बच्चों की अच्छी तैयारी देखकर कलेक्टर ने तालियां बजवाकर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान कुछ बच्चों ने कहा कि आगे वे सिविल सर्विस, मेडिकल, इंजीनिरिंग, फैशन डिजाइन में जाना चाहते है। जिस पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें अभी से उत्साह एवं लगन के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नीट, जेईई और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वे अभी से अपना लक्ष्य तय कर नियमित पढ़ाई करें और उसे हासिल करने के लिए मेहनत करें। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की जानकारी देने के साथ उनकी तैयारी भी कराएं, ताकि वे आगे चलकर और अच्छे संस्थानों में प्रवेश पा सकें। कलेक्टर ने कहा कि एकलव्य विद्यालयों की स्थापना जनजातीय बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए की गई है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने बताया कि विद्यार्थी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र सत्र 2025-26 में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा एवं कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत रहा। यह विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति भवन में 12 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विद्यालय के पांच विद्यार्थियों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा दो विशेष रूप से पीवीटीजी के विद्यार्थियों का एमबीबीएस के लिए चयन हुआ है। कक्षा 12वीं के 11 बच्चों को भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर, आईआईटी दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया है।कलेक्टर श्री शर्मा ने विद्यालय में जिला स्तरीय संचालन समिति की बैठक लेकर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में विद्यार्थियों के नामांकन, रिक्त सीटों, पीवीटीजी विद्यार्थियों के भी जानकारी ली गई।

त्रैमासिक बैठक में बच्चों एवं उनके परिजनों से किया आत्मीय संवाद

पीएम केयर्स योजना के लाभार्थी बच्चों से मिलीं कलेक्टर स्वास्थ्य और शिक्षा की ली जानकारी

नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और मिशन वात्सल्य योजना के तहत स्पॉन्सरशिप की कार्यवाही की समीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत लाभान्वित बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, संरक्षण एवं समग्र विकास की जानकारी लेने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुश्री संतन देवी जांगड़े ने बच्चों के साथ त्रैमासिक बैठक कर उनसे मुलाकात की। जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा द्वारा आयोजित इस मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने अभिभावक की भूमिका में बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य एवं दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को भेंट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके परिजनों से भी बातचीत कर बच्चों की देखभाल एवं पारिवारिक परिस्थितियों की जानकारी ली।



बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं शिक्षा की ली जानकारी

बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने पीएम केयर्स योजना के अंतर्गत लाभार्थी बच्चों की निःशुल्क नियमित स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की नियमितता, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं एवं चिकित्सकीय देखभाल की स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, अध्ययन की प्रगति एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने बच्चों से उनकी पढ़ाई एवं अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा एवं उचित देखभाल को महत्वपूर्ण बताया।

मिशन वात्सल्य योजना के तहत स्पॉन्सरशिप की कार्यवाही की समीक्षा

कलेक्टर ने मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित स्पॉन्सरशिप योजना से संबंधित कार्यवाही की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से योजना के अंतर्गत बच्चों को संबंधित प्रक्रियाओं की प्रगति के विषय में चर्चा की।

मनेंद्रगढ़ में 'वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान' को लेकर कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक, संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

अहिंसा भवन में जुटे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, लोकतांत्रिक मूल्यों और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर बनी रणनीति

महेंद्र शुक्ला मनेंद्रगढ़ ➤ एमसीबी





जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के तत्वावधान में 28 अक्टूबर 2026 को मनेंद्रगढ़ स्थित अहिंसा भवन में 'वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान' के अंतर्गत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लेकर अभियान की रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में AICC ऑब्जर्वर डॉ. देवाशीष पटनायक, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रभारी सचिव सुश्री जारीता लैतफलांग, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, जिला प्रभारी उत्तम वासुदेव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंट , मंडल अध्यक्षों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। नेताओं ने अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए संगठनात्मक स्तर पर तैयारियां मजबूत करने और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।इस दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कांग्रेस नेताओं ने अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित कर आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित करने पर बल दिया।

घर से पिकअप, रेल से परिवहन और घर तक डिलीवरी

रेल पार्सल ऐप - घर से घर तक': अब घर बैठे बुक करें रेल पार्सल

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



भारतीय रेल पार्सल सेवा को और अधिक सरल, सुविधाजनक एवं ग्राहक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक नई पहल के तहत ÷रेल पार्सल ऐप - घर से घर तक÷ विकसित किया जा रहा है। यह ऐप मोबाइल (एंड्रॉइड एवं आईओएस) तथा वेबसाइट, दोनों माध्यमों पर उपलब्ध होगा। इस ऐप के सुचारु संचालन एवं देशभर में विस्तार के लिए प्रारम्भिक स्तर पर 8 बड़े शहरों पर लागू किया जा रहा है ।

इस ऐप के माध्यम से ग्राहकों को अपना पार्सल लेकर स्वयं रेलवे पार्सल कार्यालय आने और कागजी औपचारिकताएं पूरी करने की आवश्यकता नहीं होगी। रेलवे के साथ जुड़े लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता ग्राहक के घर या प्रतिष्ठान से पार्सल लेकर स्टेशन तक पहुंचाएंगे (फर्स्ट माइल), रेलवे इसे ट्रेन द्वारा गंतव्य स्टेशन तक ले जाएगी (मिडिल माइल) और वहां से लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता इसे प्राप्तकर्ता के पते तक पहुंचाएंगे (लास्ट माइल)। इस प्रकार एक ही ऐप पर संपूर्ण घर-से-घर तक की सेवा उपलब्ध होगी।

प्रारंभिक चरण में यह ऐप देश के 08 प्रमुख शहरों - दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु एवं पुणे में लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे चरणबद्ध रूप से पूरे देश में विस्तारित करने की योजना है।

रेल पार्सल ऐप की प्रमुख विशेषताएं

ऑनलाइन बुकिंग ÷ ग्राहक अपने मोबाइल नंबर से ऐप पर पंजीकरण कर पार्सल का विवरण, प्रस्थान एवं गंतव्य स्टेशन दर्ज करके बुकिंग कर सकेंगे तथा अपनी पसंद का डिलीवरी पार्टनर स्वयं चुन सकेंगे।

घर से पिकअप और घर तक डिलीवरी ÷ पिकअप (फर्स्ट माइल) एवं डिलीवरी (लास्ट माइल) सेवाएं वैकल्पिक होंगी। ग्राहक ऐप पर पिकअप के लिए उपलब्ध समय-स्लॉट भी देख सकेंगे। पैकिंग एवं भंडारण जैसी अतिरिक्त सेवाएं भी वैकल्पिक रूप से ली जा सकेंगी।

* कागज़ रहित प्रक्रिया ÷ ऐप पर दर्ज बुकिंग विवरण ही डिजिटल फॉरवर्डिंग नोट के रूप में मान्य होगा। रेल यात्रा भाग के लिए भौतिक पार्सल वे-बिल की आवश्यकता नहीं होगी; डिजिटल रसीद एवं ओटीपी पर्याप्त होंगे।
* एक ही भुगतान में सभी सेवाएं ÷ रेल भाड़ा, पिकअप-डिलीवरी शुल्क एवं अन्य सेवाओं का भुगतान एक ही लेन-देन में यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग आदि डिजिटल माध्यमों से किया जा सकेगा।
* रियल-टाइम ट्रैकिंग ÷ प्रत्येक पार्सल को 10 अंकों का विशिष्ट ट्रैकिंग नंबर मिलेगा। पार्सल के लोड होने, ट्रेन के गंतव्य पर पहुंचने तथा पार्सल के डिलीवरी हेतु तैयार होने पर ऐप एवं पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्वचालित सूचना भेजी जाएगी।
* सुरक्षित डिलीवरी ÷ पार्सल की डिलीवरी ओटीपी आधारित सत्यापन के माध्यम से की जाएगी।
* बीमा का विकल्प ÷ रेल परिवहन भाग के लिए रेलवे नियमों के अनुसार पार्सल का मूल्य घोषित करने/बीमा का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

बुकिंग एवं रद्दीकरण संबंधी मुख्य बातें

पार्सल की बुकिंग ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान से अधिकतम 15 दिन पहले से लेकर न्यूनतम 01 दिन पहले तक, स्थान की उपलब्धता के अनुसार, की जा सकेगी।

* पिकअप से पहले बुकिंग रद्द करने पर नियमानुसार राशि रिफ़ंड की जाएगी। पिकअप-डिलीवरी शुल्क की वापसी संबंधित लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता की रिफंड नीति के अनुसार होगी, जिसकी जानकारी बुकिंग के समय ही दी जाएगी।
* यदि ग्राहक ने लास्ट माइल डिलीवरी नहीं चुनी है, तो पार्सल को निर्धारित निःशुल्क अवधि के भीतर गंतव्य स्टेशन से प्राप्त कर लेना चाहिए।

बड़ी जीत- कांग्रेस के कड़े विरोध के बाद झुका प्रशासन, मनेंद्रगढ़ में ही रहेगा सेतु विभाग का उपसंभाग कार्यालय!



महेंद्र शुक्ला ➤ मनेंद्रगढ़

मनेंद्रगढ़ से सेतु निर्माण कार्यालय को बैकुंठपुर शिफ्ट करने के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए उग्र प्रदर्शन और हंगामे का बड़ा असर सामने आया है। कांग्रेसियों के कड़े रुख और प्रशासनिक दवाब के बाद आखिरकार शासन-प्रशासन को झुकना पड़ा है। प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा 28 अक्टूबर 2026 को एक नया और संशोधित आदेश जारी कर दिया गया है, जिसके तहत अब सेतु उपसंभाग कार्यालय मनेंद्रगढ़ में ही यथावत कार्य करेगा।

क्या था पूरा मामला और नया आदेश?

इससे पहले शासन के आदेश के तहत मनेंद्रगढ़ स्थित सेतु उपसंभाग कार्यालय को बंद कर बैकुंठपुर (कोरिया) में नया कार्यालय सृजित करने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी बात से नाराज होकर कांग्रेस पार्षदों और पदाधिकारियों ने कार्यालय के गेट पर जमकर नारेबाजी की थी, फर्नीचर से भरी गाड़ी को रोककर सामान वापस उतरवाया था और तहसीलदार के आश्वासन पर धरना समाप्त किया था।जनआक्रोश और विरोध को देखते हुए अब प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी संशोधित आदेश (क्रमांक श्रस्त्रक-102/1227/2026) के जरिए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि श्री बृजेश कुमार पेण्ड्रो (सहायक अभियंता) की वर्तमान पदस्थापना अब ÷अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग सेतु उपसंभाग मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर÷ के रूप में होगी।

जनता और कांग्रेस की बड़ी उपलब्धि इस नए आदेश के बाद यह साफ हो गया है कि मनेंद्रगढ़ के हक और यहाँ के प्रशासनिक कार्यालयों को शिफ्ट करने की साजिश पर जनता और कांग्रेस के संघर्ष की जीत हुई है। स्थानीय निवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अधिकारों की एक बड़ी सफलता बताया है।

गंगरेल में संकट के बीच मददगार बनी ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन की टीम, बबलू निषाद को सुरक्षित पहुंचाया गांव

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी

,गंगरेल जलाशय में अचानक बदले मौसम और तेज लहरों के बीच संकट में फंसे एक मछुआरे के लिए गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की टीम मददगार साबित हुई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए ग्राम बरारी निवासी बबलू निषाद को सुरक्षित उनके गांव पहुंचाया। संकट की इस घड़ी में टीम की सक्रियता, स्थानीय लोगों की सूचना और जिला प्रशासन के सहयोग से एक संभावित हादसे को गंभीर परिणामों में बदलने से बचाने में मदद मिली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बरारी निवासी बबलू निषाद पेशे से मछुआरे हैं। बीते दिनों वे लकड़ी चुनने के लिए नाव से ठेमली आइलैंड गए थे। इसी दौरान मौसम में बदलाव और हवा की गति बढ़ने से जलाशय में लहरें तेज हो गईं। परिस्थितियां प्रतिकूल होते देख उन्हें नाव



पलटने का अंदेशा हुआ। उन्होंने अपने परिवार से संपर्क कर स्थिति की जानकारी दी, लेकिन इसी बीच नाव अनियंत्रित होकर पलट गई।

मुश्किल परिस्थितियों में भी बबलू ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने लगभग 100 मीटर तक तैरकर दूसरे टापू पर पहुंचकर आश्रय लिया। अंधेरा होने के कारण जंगल में रास्ता तलाशना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो गया। उधर, परिवार के सदस्य और ग्रामीण उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। उनके द्वारा दी गई सूचना के बाद गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की टीम सक्रिय हुई। टीम ने वाटर एम्बुलेंस की मदद से बबलू को सुरक्षित बाहर निकाला और उनके गांव पहुंचाया। इस अभियान में श्री सत्येंद्र शिव, राजेश मुकेश सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला प्रशासन के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्यों को मिला संबल

गंगरेल जलाशय जैसे विस्तृत जलक्षेत्र में अचानक उत्पन्न होने वाली आपात परिस्थितियों में त्वरित सूचना, आपसी समन्वय और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग बेहद महत्वपूर्ण है। इस घटना में स्थानीय लोगों की सतर्कता और बचाव दल की तत्परता के साथ जिला प्रशासन का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। ऐसे समन्वित प्रयास आपात स्थिति में प्रभावित व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुंचाने और उसकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में सहायक होते हपरिस्थितियों में जोखिम लेने से बचना जरूरी है।

लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने 3.68 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

लमगांव में 32 लाख रुपये की लागत से बनेगा नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र, डडगांव से दोरना तक 3.36 करोड़ रुपये से होगा सड़क निर्माण

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ ग्रामीणों को मिलेगी सुगम आवागमन की सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में अधोसंरचना विकास एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने ग्राम पंचायत लमगांव एवं डडगांव में कुल 3 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विकास कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आवागमन की सुविधा मिलेगी।

लमगांव में 32 लाख रुपये की लागत से बनेगा उप स्वास्थ्य केंद्र

विधायक श्री मिंज ने ग्राम पंचायत लमगांव में 32 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमिपूजन किया। उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

डडगांव से दोरना तक 3.36 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी सड़क

इसी क्रम में विधायक श्री मिंज ने ग्राम पंचायत डडगांव में डडगांव से दोरना तक 2 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के निर्माण के लिए 3 करोड़ 36 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सड़क निर्माण से डडगांव, दोरना सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा। ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी।

महिला उद्यमिता के नए अवसर विकसित करने पर जोर

मखाना की खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं धमतरी की महिलाएं

एक सत बुलेटिन ➤ धमतरी



धमतरी जिले में कृषि विविधीकरण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने की दिशा में मखाना की खेती नई संभावनाएं पैदा कर रही है। तालाबों में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल अब परिणाम देने लगी है। इसी कड़ी में ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 29 एकड़ क्षेत्र में उत्पादित मखाना का संग्रहण शुरू हो गया है। साथ ही, महिलाओं को मखाना के संग्रहण और संग्रहण-पश्चात प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों का प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है। इससे उपज की गुणवत्ता, प्रसंस्करण और बाजार में बेहतर मूल्य मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ मखाना के तहत वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले को तालाबों में मखाना की खेती के लिए 165 एकड़ का लक्ष्य दिया गया था। इसके मुकाबले जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में 105 एकड़ क्षेत्र में मखाना की खेती शुरू की गई। ग्राम राखी, छाती, डांडेसरा और पीपरछेड़ी के साथ नगरी विकासखंड के ग्राम सांकरा में भी इस फसल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ग्राम छाती और डांडेसरा में शैलपुत्री स्व-सहायता समूह तथा नई किरण स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए 26 अक्टूबर को मखाना संग्रहण की शुरुआत और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम छाती-सेनचुवा की सरपंच श्रीमती दानेश्वरी साहू, श्री जितेन्द्र कुमार साहू, पंचगण, कृषि विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ श्रीमती दीपिका चंद्रवंशी, उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप साहू, उद्यान विकास अधिकारी श्री राहुल साहू और ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री नर्मदा प्रसाद भारती उपस्थित रहे।

उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप साहू ने बताया कि महिला समूहों को कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी में आगामी दिनों में मखाना के संग्रहण-पश्चात प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में उपज की उचित देखभाल, प्रसंस्करण और गुणवत्ता बनाए रखने की तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, ताकि महिलाएं इस गतिविधि को आजीविका और उद्यमिता के रूप में आगे बढ़ा सकें।

मखाना की कटाई के चरण

मखाना की कटाई मुख्य रूप से तीन चरणों में की जाती है। पहली कटाई को लहसर कहा जाता है। इसमें लगभग 70 प्रतिशत मखाना निकाल लिया जाता है। इस काम के लिए श्रमिकों को सामान्यतः प्रति किलोग्राम के आधार पर मजदूरी दी जाती है। इसके बाद दूसरी और तीसरी कटाई मरकट और कर्कट कहलाती है। इन चरणों में बचे हुए लगभग 30 प्रतिशत बीज निकाले जाते हैं, जिसके लिए अधिक मेहनत और समय की जरूरत होती है।

राशिद टी20 इंटरनेशनल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान मेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।उन्होंने 120 मैचों में यह माइल स्टोन हासिल किया।शारजाह में गुरुवार को राशिद खान ने दूसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे के विकेटकीपर मरुमानी राशिद का 200वां विकेट बने।इस मैच को अफगानिस्तान ने 19 रन से जीता। उसने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। तीसरा मुकाबला एक नवंबर को खेला जाएगा।अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने चौथे ओवर तक 5 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। रहमानुल्लाह गुरबाज, मोहम्मद अकरम, इब्राहिम जादरान और शाहिदुल्लाह कमाल खाता नहीं खोल सके। सदीकुल्लाह अटल ने 17 रन बनाए।38 रन पर 5वां विकेट गंवाने के बाद उमरजई और इजाज अहमद अहमदजई ने छठे विकेट के लिए 59 गेंदों पर 142 रन जोड़े। यह पुरुष ञ्ज20ढ्ढ में छठे या उससे निचले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने आखिरी 10 ओवर में 176 रन बनाए।

उमरजई ने 44 गेंदों पर पूरा किया शतक

उमरजई ने 50 गेंदों पर 116 रन बनाए। उनकी पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 44 गेंदों पर अपना पहला ञ्ज20ढ्ढ शतक पूरा किया। उनका स्ट्राइक रेट 232 रहा।दूसरी ओर इजाज अहमद अहमदजई ने 27 गेंदों पर 52 रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों की साझेदारी ने अफगानिस्तान को शुरुआती झटकों से उबारा।

राशिद ने आखिरी ओवर में लगाए 4 छक्के

अफगानिस्तान की पारी के आखिरी ओवर में राशिद खान ने कुंदई मतिगीमु की गेंदों पर 4 छक्के लगाए। उन्होंने सिर्फ 6 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान 221/7 के स्कोर तक पहुंचा।टीम ने पुरुष ञ्ज20ढ्ढ में एक और रिकॉर्ड बनाया। वह शुरुआती 4 विकेट 20 से कम रन पर गंवाने के बाद 200 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली टीम बनी।

सिंधु-लक्ष्य हाइलो ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में



भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। संधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया।पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

तिलक वर्मा बोले- नंबर-5 पर बैटिंग अप्रोच बदली



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत के उपकप्तान तिलक वर्मा ने कहा कि नंबर-3 से नंबर-5 पर आने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। अब वे पहले पारी संभालने के बजाय शुरुआत से ही बाउंड्री तलाशते हैं।तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, 'मेरे पास पावर गेम पहले से था। मैंने नंबर-3 पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर-5 या 6 पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद हिट करने लायक हो, तो मैं उसी पर बाउंड्री लगाने की सोचता हूं।'

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। चौथे टी20 से पहले तिलक ने कहा कि टीम अब सीरीज 5-0 से जीतना चाहती है।प्रैक्टिस सेशन में अक्षर पटेल के साथ तिलक वर्मा।

:भारत-न्यूजीलैंड चौथा टी-20 मुकाबला आज; अर्शदीप 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बनेंगे

क्या ईशान लौटे तो नहीं खेलेंगे वैभव

एजेंसी ➤ ऑकलैंड

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी-20 मुकाबला आज ऑकलैंड में दोपहर 12ः30 से खेला जाएगा। मैच से पहले चर्चा इस बात की नहीं है कि भारत यह मुकाबला जीतेगा या नहीं। क्योंकि टीम इंडिया पहले ही 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुकी है।

डिबेट इस बात पर है कि सूर्यवंशी यह मैच खेलेंगे या नहीं। इसकी वजह है कि ईशान किशन ने नेट्स में बैटिंग प्रैक्टिस शुरु कर दी है। अब अगर उनकी प्लेइंग-11 में वापसी होती है, तो वैभव को बाहर बैठना पड़ सकता है।

ईशान को पहले टी-20 के दौरान ग्रोइन इंजरी हुई थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे टी-20 मैच में सूर्यवंशी को मौका मिला। पिछले मैच में वैभव ने 19 गेंद में 45 रन बनाए थे। उन्होंने अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए सबसे तेज शतकीय साझेदारी का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया।



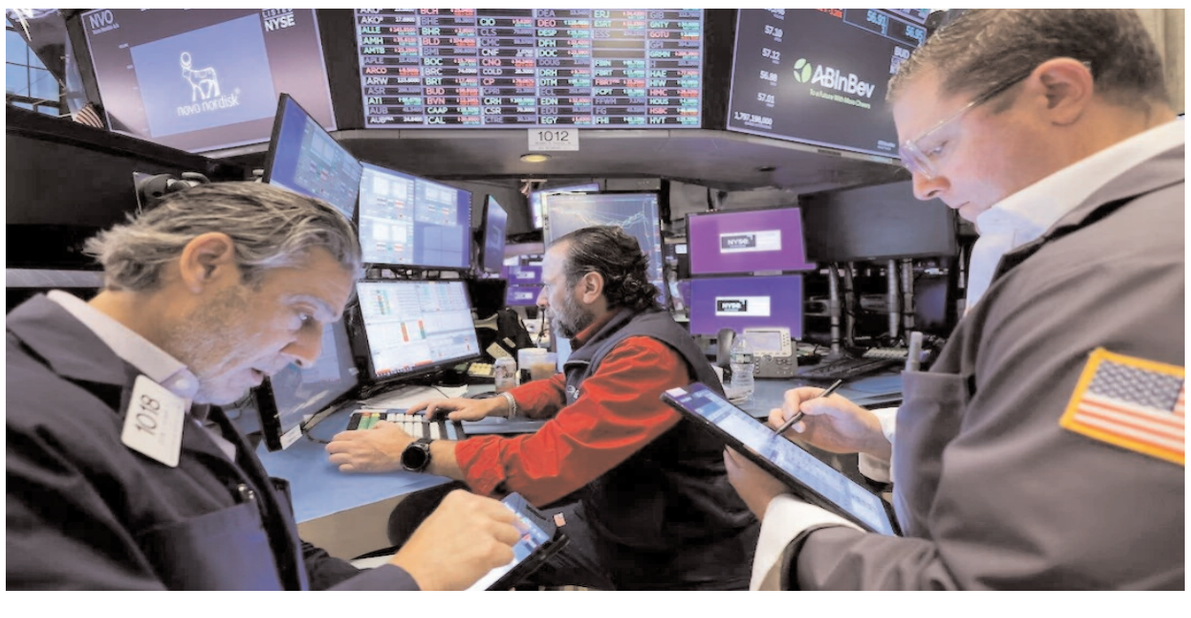
ीसरे टी-20 में 45 रन की पारी के दौरान शॉट खेलते सूर्यवंशी। उन्होंने 10 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 185.54 की स्ट्राइक रेट से 295 रन बनाए हैं।

तीसरे टी-20 में 45 रन की पारी के दौरान शॉट खेलते सूर्यवंशी। उन्होंने 10 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 185.54 की स्ट्राइक रेट से 295 रन बनाए हैं।

अर्शदीप और सैंटनर 150 विकेट से एक विकेट दूर

अर्शदीप सिंह ने 102 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 149 विकेट लिए हैं। वे एक और विकेट लेते ही टी-20 इंटरनेशनल में 150 विकेट पूरे करने वाले भारत के पहले गेंदबाज बन जाएंगे।

व्यापार



अमेरिकी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने वालों के लिए बड़ा बदलाव होने वाला है. अभी न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (ह्वङ्मस्थ) और नैस्डैक (ह्वड्डह्यस्रड्डह्व) का मुख्य कारोबारी समय सुबह 9ः30 बजे से शाम 4 बजे तक रहता है. लेकिन 6 दिसंबर 2026 से अमेरिकी शेयर मार्केट में रात के समय भी ट्रेडिंग का नया सेशन शुरू होने जा रहा है. इसके तहत रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक शेयरों की खरीद-बिक्री हो सकेगी. इससे अमेरिकी बाजार हफ्ते में 5 दिन करीब 23 घंटे तक ट्रेडिंग के लिए खुला रहेगा.

पीएफ कटौती का नया कैलकुलेशन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से हाल ही में एक बड़ा बदलाव (श्वक्कन्नह ऋह्वद्यद्द ष्टद्धड्डुठ्ठद्दद्द) किया गया है। इसके तहत ईपीएफओ कवरेज के लिए सैलरी लिमिट को पहले के 15,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपये मंथली किया गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस बदलाव से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी इसके दायरे में आ जाएंगे। श्वक्कन्नह द्वारा निर्धारित संशोधित 25,000 रुपये की सैलरी लिमिट अक्टूबर 2026 से लागू होगी और इसके साथ ही कर्मचारियों का वेतन में से पीएफ कटौती बढ़ जाएगी।

गौरतलब है कि पहले ईपीएफओ ने सैलरी लिमिट 15000 रुपये तय की हुई थी। यानी पुरानी सीमा के तहत ?20,000 प्रति माह की बेसिक सैलरी पर किसी कंपनी में



शामिल होने वाला कर्मचारी वैधानिक सीमा से ऊपर था और खुद ही इसके दायरे में नहीं आता था, लेकिन अब लिमिट 25,000 तक बढ़ने के बाद वो भी अनिवार्य कवरेज के अंतर्गत आ जाता है यानी उसका पीएफ पेंशन में योगदान शुरू हो जाएगा।

इससे सबसे बड़ा फायदा ये है कि उस 20 हजार रुपये कमाने वाले कर्मचारी को रिटायरमेंट के लिए जमा किए गए क्कन्न का लाभ मिलेगा, ईपीएस के तहत पेंशन की पात्रता होगी और कर्मचारी जमा से जुड़ी बीमा योजना के तहत बीमा कवर मिलेगा।

7 सितंबर से प्रभावी नई लिमिट श्वक्कन्नह की संशोधित 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये की वेतन सीमा बीते 17 सितंबर 2026 से प्रभावी हो गई है।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

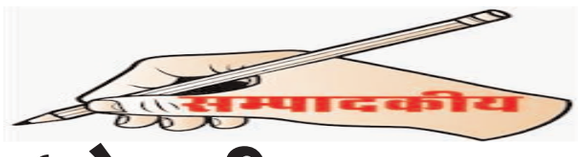
देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।



'जेहादी' मानस का पायलट

आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह 'जेहादी मानस', आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह 'अलकायदा' के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके 'लिंक्डइन' पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से 'फ्री फिलिस्तीन' जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे 'विमान क्रैश' करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी 'आत्मघाती' था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक 'नफरत' करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के 'विश्व व्यापार केंद्र' को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे।

विचार

शिक्षा को स्थानीय आर्थिकी से जोड़ने की जरूरत

प्रो. सतपाल

लेकरव

शिक्षा का मूल उद्देश्य धीरे-धीरे रोजगार प्राप्त करने तक सीमित होता जा रहा है।बचपन से ही हमें यह समझाया जाता है कि पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी प्राप्त करनी है, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम बताया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य एक बेहतर इनसान और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। शायद यही कारण है कि आज शिक्षा के मूल्यांकन का सबसे बड़ा पैमाना रोजगार बनता जा रहा है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था हिमाचल की अपनी अर्थव्यवस्था और रोजगार की जरूरतों से जुड़ पाई है? गांव-गांव तक विद्यालय और महाविद्यालय पहुंचने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं।

विद्यालयों एवं महाविद्यालय में विद्यार्थियों को यह समझाने का माध्यम बने कि उनकी शिक्षा वास्तविक जीवन और रोजगार में कैसे उपयोगी हो सकती हैहिमाचल प्रदेश जैसे दुर्गम, पहाड़ी क्षेत्र में शिक्षा की लौ जलाना एक समय सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन समय के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार किया गया, नतीजतन आज प्रदेश पूर्ण साक्षरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन साक्षरता के बाद अगला सवाल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आता है और उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ता है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या होना चाहिए? नीतिनिर्माता अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करते हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परिभाषा क्या है? क्या वह शिक्षा जो रोजगार उपलब्ध कराए, गुणवत्तापूर्ण मानी जाए या वह शिक्षा जो एक जागरूक, जिम्मेदार और सभ्य नागरिक तैयार करे? वर्तमान समय में हम कहीं न कहीं इन सवालों के बीच उलझे हुए दिखाई देते हैं। शिक्षा का मूल उद्देश्य धीरे-धीरे रोजगार प्राप्त करने तक सीमित होता जा रहा है।बचपन से ही हमें यह समझाया जाता है कि पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी प्राप्त करनी है, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम बताया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य एक बेहतर इनसान और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। शायद यही कारण है कि आज शिक्षा के मूल्यांकन का सबसे बड़ा पैमाना रोजगार बनता जा रहा है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था हिमाचल की अपनी अर्थव्यवस्था और रोजगार की जरूरतों से जुड़ पाई है? गांव-गांव तक विद्यालय और महाविद्यालय पहुंचने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं। इसलिए चुनौती केवल शिक्षा का विस्तार करने की नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की है जो ज्ञान, व्यक्तित्व, कौशल, नागरिक चेतना और रोजगार जैसे कारकों को साथ लेकर चले। प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय वृद्धि देखने को मिलती है, लेकिन इसके



साथ शिक्षित बेरोजगारी की चुनौती भी लगातार गंभीर होती दिखाई दे रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में लगभग 6.75 से 7 लाख बेरोजगार पंजीकृत हैं। इनमें करीब 1.19 से 1.41 लाख स्नातक तथा 72 से 76 हजार स्नातकोत्तर, एम फिल और पीएचडी धारक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 2.85 लाख 12वीं/मैट्रिक स्तर के युवा भी रोजगार की तलाश में हैं। ये केवल वो आंकडें हैं जो रोजगार कार्यालयों में दर्ज हैं, इसके अलावा अनेकों ऐसे डिग्री धारक हैं जो पंजीकृत नहीं हैं, या अभी अपने अध्ययन के अंतिम वर्ष में हैं। वहीं आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अप्रैल-जून 2026 के आंकड़े इस चुनौती को और स्पष्ट करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश में 15-29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर 24.1 प्रतिशत दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में भी यह दर लगभग 15 प्रतिशत के आसपास रही है। इतना ही नहीं, महिलाओं, विशेषकर उच्च शिक्षित युवतियों के लिए रोजगार प्राप्त करने की यह चुनौती और अधिक दिखाई देती है। हिमाचल में सरकारी नौकरी को स्थायी और सुरक्षित रोजगार का माध्यम माना जाता रहा है।ऐसे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना युवाओं के लिए स्वाभाविक विकल्प बन जाता है। लेकिन प्रदेश में सरकारी क्षेत्र में रोजगार क्षमताएं सीमित होने के कारण हर शिक्षित युवा को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं। इसलिए रोजगार की दिशा को सरकारी नौकरियों से आगे बढ़ाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा करने पर केन्द्रित करने की जरूरत है, ताकि शिक्षित युवा स्वरोजगार के मार्ग पर चलकर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर सके।

विचार

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

- प्रहलाद सबनानी

लेखक

आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते



भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही अत्यधिक आकर्षक हो गया है।

(एक नजर)

आज भी अनसुलझे हैं वैष्णो देवी के रहस्य

आपने माता वैष्णो देवी के मंदिर के दर्शन तो किए ही होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि माता वैष्णो देवी की उत्पत्ति कैसे हुई और त्रिकुटा पर्वत पर स्थित उनके प्रसिद्ध मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा क्या है? आखिर माता वैष्णो देवी को तीन पिंडियों के रूप में क्यों पूजा जाता है और भैरवनाथ के दर्शन के बिना माता की यात्रा अधूरी क्यों मानी जाती है? आइए जानते हैं माता वैष्णो देवी से जुड़ी इस प्रसिद्ध पौराणिक कथा के बारे में।मान्यता है कि माता वैष्णो देवी महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी की सम्मिलित शक्ति का स्वरूप हैं। जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित माता वैष्णो देवी के भवन में एक पवित्र गुफा है, जहां तीन प्राकृतिक पिंडियों के रूप में देवी की पूजा की जाती है। इन तीन पिंडियों को महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी का स्वरूप माना जाता

विचार

हैदराबाद की वित्तीय समस्याओं का समाधान और प्रॉपर्टी मालिकों के सवाल

धीरेंद्र राय,

लेखक

ड्राफ्ट वधेयक ने हैदराबाद के प्रॉपर्टी मालिकों के बीच एक जायज सवाल खड़ा कर दिया है- हमें अधिक भुगतान क्यों करना चाहिए? यह एक जायज सवाल है। प्रस्तावित कोर अर्बन रीजन (इंटीग्रेटेड गवर्नेंस) बिल, 2026 हैदराबाद में संपत्ति कर कैलकुलेट करने के आधार को बदल देगा - मौजूदा सिस्टम जो अनुमानित किराये के मूल्य पर आधारित है, उसे सरकार द्वारा मूल्यांकित पूंजीगत मूल्य से जोड़ा जाएगा। इससे कई प्रॉपर्टी मालिकों की टैक्स देनदारियां बढ़ सकती हैं।लेकिन एक और सवाल है जिस पर उतना ही ध्यान देने की जरूरत है- आखिरकार हैदराबाद को सबसे पहले अपने नगर निगम के राजस्व आधार को मजबूत करने की जरूरत क्यों है? इसका उत्तर सिर्फ प्रस्तावित कर वृद्धि में नहीं है, बल्कि इस बात में छिपा है कि हैदराबाद अपने बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवा संबंधी जरूरतों का वित्तपोषण किस प्रकार करता रहा है--और क्या यह मॉडल आगे भी जारी रह सकता है।पिछले छह वर्षों में हैदराबाद की वित्तीय स्थिति को देखें, तो सरकारी अनुदान नगर निगम के राजस्व का प्रमुख स्रोत नहीं रहा है। बजट आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 और 2023-24 के बीच, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम



के कुल राजस्व में अनुदान की हिस्सेदारी सिर्फ 3-18 प्रतिशत थी। साल 2023-24 में, त्नास्ष्ट के कुल राजस्व 7,105 करोड़ रुपये के मुकाबले अनुदान लगभग 1,184 करोड़ रुपये था--जो लगभग 17 प्रतिशत है।जब राजस्व की तुलना व्यय से की जाती है, तो दबाव और अधिक स्पष्ट हो जाता है। साल 2019-20 और 2023-24 के बीच, त्नास्ष्ट के राजस्व में 61 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि हुई। लेकिन इसी अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय में 234 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से स्ट्रैटेजिक रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम%, %स्ट्रैटेजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम% और %कॉम्प्रिहेंसिव रोड मेंटेनेंस प्रोग्राम के कारण हुई, जिनकी कुल लागत लगभग 10,249 करोड़ रुपये थी और इसमें से 6,390 करोड़ रुपये का वित्तपोषण ऋण के जरिये किया गया था।

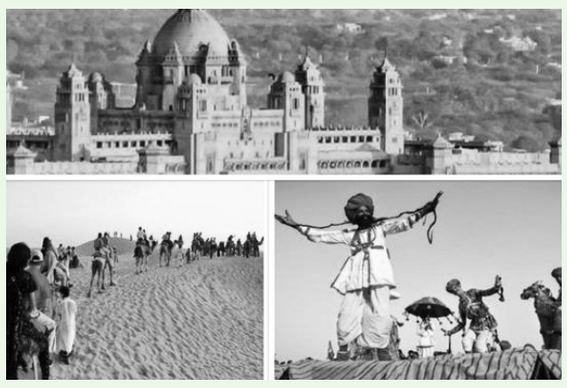
ऋण लेने से इस कमी को पूरा करने में मदद तो मिली, लेकिन इससे कर्ज चुकाने का बोझ भी बढ़ता गया। साल 2023-24 में त्नास्ष्ट पर कुल बकाया कर्ज लगभग 6,749 रुपये करोड़ था, जबकि कर्ज की किस्त और ब्याज का भुगतान पहले ही 100 करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक हो चुका था। इस साल मार्च तक, त्नास्ष्ट के अधिकारियों ने लंबित बकाए को चुकाने या अपने इंफ्रास्ट्रक्चर लोन के भुगतान की जिम्मेदारी संभालने के लिए राज्य सरकार से सहायता मांगी थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर इस भुगतान में देरी जारी रही, तो निगम की विकास कार्यों के लिए धन जुटाने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके बाद से, राज्य सरकार ने इन देनदारियों को अपने हाथ में लेने का कदम उठाया है।

इससे थोड़ी राहत जरूर मिलती है। लेकिन कर्ज से राहत सिर्फ बैलेंस शीट को सुधार सकती है; यह हैदराबाद के विकास के अगले चरण के लिए जरूरी नियमित कमाई पैदा नहीं कर सकती।

हैदराबाद के सामने एक स्पष्ट विकल्प है-या तो वह राज्य सरकार से मिलने वाली अनिरंतर आर्थिक मदद पर निर्भर रहे, या फिर खुद का एक ऐसा राजस्व आधार तैयार करे जो शहर की बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल बिठा सके। अनुदान अपने चरम स्तर पर भी त्नास्ष्ट के कुल बजट के पांचवें हिस्से से अधिक कभी नहीं रहे हैं। यही बात नगर निगम के अपने स्रोतों से होने वाली आय को महत्वपूर्ण बनाती है--

जिसमें नई संपत्तियों को टैक्स के दायरे में लाना, कवरेज बढ़ाने के लिए तकनीक का उपयोग करना और संपत्ति-कर के रिकॉर्ड को अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ जोड़ना शामिल है।यह उपाय महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये उस गहरी समस्या का समाधान नहीं कर सकते कि टैक्स का आधार खुद ही स्थिर बना हुआ है। हैदराबाद के संपत्ति मूल्यों और अर्थव्यवस्था में भारी वृद्धि होने के बावजूद, आवासीय संपत्तियों के प्रॉपर्टी-टैक्स किराया मूल्यों को आखिरी बार 2003 में संशोधित किया गया था, जबकि व्यावसायिक संपत्तियों के लिए संबंधित मूल्यों को 2008 में संशोधित किया गया था। ूजो 10 प्रमुख 10-लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नौवें स्थान पर है। यह पुणे (6,345 रुपये), कोयंबटूर (5,919 रुपये) और मुंबई (5,381 रुपये) में प्रति व्यक्ति मांग के आधे से भी कम था।यही वह जगह है जहां प्रॉपर्टी टैक्स मूल्यांकन के आधार को बदलना महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रॉपर्टी टैक्सेशन को पंजीकरण विभाग द्वारा बनाए रखे जाने वाले गाइडेंस वैल्यू% से जोड़कर - जिनमें समय-समय पर संशोधन किया जाता है - यह प्रणाली मौजूदा अनुमानित किराया मूल्यों पर आधारित प्रणाली की तुलना में अधिक गतिशील टैक्स बेस प्रदान करती है। यह स्वह्य (शहरी स्थानीय निकायों) के लिए प्रॉपर्टी के मूल्य निर्धारित करने के लिए समय-समय पर बाजार-किराया सर्वेक्षण करने की जरूरत भी खत्म करती है।

राजस्थान की इन जगहों का लुत्फ उठाने दूर विदेश से खिंचे चले आते हैं लोग



राजस्थान भारत के उन राज्यों में से हैं जहां हर साल पर्यटकों का खूब मेला लगता है, उन पर्यटकों में विदेशी टूरिस्ट भी शामिल होते हैं। राजस्थान अपनी बेशुमार खूबसूरत हवेलियों और महलों के लिएविश्व भर में लोकप्रिय है। रेतीला इलाका होने की वजह से यहां ज्यादातर गर्मी का मौसम ही रहता है। तो चलिए जानते हैं विश्व प्रसिद्ध इस राज्य की कुछ और हसीन झलकियों की बारे में...

जयपुर

राजस्थान के इस शहर को पिंक सिटी का खिताब प्राप्त हुआ है। अपने विशाल किलों और शानदार महलों को लेकर यह शहर हर साल हजारों सैलानियों का प्रदर्शन करता है। यहां की संस्कृति, इतिहास और यहां के शाही ठाठ-बाठ के लोग दिवाने हैं। यहां घूमने के लिए आमेर का किला,जल महल,हवा महल,जयगढ़ किला और जंतर-मंतर जैसी अनेकों जगहें हैं।

उदयपुर

उदयपुर जयपुर से करीब 400 कि.मी की दूरी पर स्थित है। उदयपुर को झीलों की नगरी भी कहा जाता है। यहां की खूबसूरती, साफ़ सफाई और किलों के कारण यह स्थान पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन चुका है। उदयपुर सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं बॉलीवुड और हॉलीवुड को भी अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर ये जवानी है दीवानी, यश राज की फिल्म यादें और यहां तक की जेम्स बांड सीरीज की एक फिल्म की शूटिंग भी यहां के खूबसूरत नजारों के बीच हो चुकी है।

अजमेर

जयपुर से अजमेर कुछ 135 किमी की दूरी पर स्थित है। अजमेर की दरगाह शरीफ भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी विख्यात है। अजमेर में पर्यटक दरगाह शरीफ के अलावा आधी दिन का झोपड़ा, नासिया मंदिर, आनासागर झील, तारागढ़ का किला भी काफी फेमस है।

जोधपुर

जोधपुर अपने अलौकिक सूर्य उदय के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। सूर्यनगरी के लिए जाना जाने वाला यह शहर अपने महलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर में आपको ज्यादातर घर नीले रंग के पत्थरों से बने हुए मिलेंगे इसीलिए इस शहर को ब्लू सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यह शहर थार-रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। अपने दामन में राजसी गौरव को समेटे जोधपुर बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर लुभाता है। यहां आप नीले भवन से लेकर जगमग करते महल, किले, मंदिर, संग्राहलय और शानदार बगीचे इस शहर की खूबसूरती को और भी बढ़ा देते हैं।

कुंभलगढ़

कैसे बनाएं मीडिया में करियर, पढ़ें पूरी जानकारी...

मीडिया एक चमकदार और ग्लैमरस इंडस्ट्री दिखती है इसकी चमक-धमक देखकर अब अधिकतर छात्र मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम का कोर्स कर रहे हैं। मीडिया में नौकरी के बहुत सारे अवसर हैं। जरूरी नहीं है कि आप किसी न्यूज चैनल या अखबार में ही नौकरी करें कोर्स करने के बाद आप एडवरटाइजिंग एजेंसी, फिल्म लाइन या पब्लिशिंग हाउस में भी काम कर सकते हैं यहां हम आपको मीडिया फील्ड में करियर बनाने के बारे में शुरू से बता रहे हैं।

मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिजम का कोर्स करें

मीडिया में करियर बनाने के लिए आपके पास बेसिक क्वलिफिकेशन होनी चाहिए और वो है मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिजम कोर्स की डिग्री या डिप्लोमा। आपके पास शैक्षिक योग्यता होने के बाद ही आपकी दूसरी योग्यताओं पर विचार किया जाएगा। मास कम्यूनिकेशन कोर्स आप किसी अच्छे संस्थान से कर सकते हैं। बेनेट यूनिवर्सिटी ने हाल ही में टाइम्स स्कूल ऑफ मीडिया के जरिए मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम कोर्स शुरू किया है।



मीडिया में कहां जाना है

मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम कोर्स करने के बाद आप तय करें कि आपको कहां जाना है आप टेलिविजन यानी न्यूज चैनल्स जॉइन करना चाहते हैं या रेडियो, प्रिंट, डिजिटल मीडिया, एड एजेंसी आदि में नौकरी करना चाहते हैं। यह आप अपनी पसंद और प्राथमिकता के आधार पर तय करें।

इंटर्नशिप के लिए करें अप्लाई

करियर की शुरूआत आप इंटर्नशिप से कर सकते है जिसमें आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इंटर्नशिप करते-करते ही नौकरी के लिए भी अप्लाई करें। इसके लिए आप संबंधित कंपनियों की वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं या इन कंपनियों के एचआर सेक्शन में कॉल करके भी पूछ सकते हैं।

मार्केट रिसर्चर की है जबरदस्त डिमांड

वैसे तो इस क्षेत्र में जॉब हासिल करने के लिए बैचलर की डिग्री की दरकार होती है, लेकिन सही मायने में आपकी गहरी पकड़ मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, साइकॉलजी, सोशियोलॉजी और स्टैटिस्टिक्स में होनी चाहिए...



वर्तमान समय में बिजनस की दुनिया में काफी बदलाव हुए हैं। अब मार्केट नई स्ट्रेटजी पर चलता है। उसे अच्छी प्लानिंग से काम को अंजाम देना होता है। यही कारण है कि बाजार को कस्टमर्स को समझना होता है और इसी क्रम में उन्हें ज्यादा टाइम देना होता है। इन्हीं मकसद को पूरा करने के लिए मार्केट रिसर्चर की जरूरत होती है। एक तरीके से वे मार्केट और कस्टमर्स के बीच की कड़ी होते हैं। उन्हें उपभोक्ताओं के ऑप्शन, टेस्ट और उनकी आवश्यकताओं पर कड़ी नजर रखनी पड़ती है। इस डेटा को कई प्रॉसेस के जरिए कंपनियां कलेक्ट करवाती हैं। इसके बाद वह फैसला करती हैं कि किस तरह के प्रॉडक्ट की लोगों के बीच डिमांड है और इसके लिए उन्हें कैसे पहल करनी होती है। इसलिए एक मार्केट रिसर्चर की जॉब दिलचस्प होती है। वैसे तो इस क्षेत्र में जॉब हासिल करने के लिए बैचलर की डिग्री की दरकार होती है, लेकिन सही मायने में आपकी गहरी पकड़ मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, साइकॉलजी, सोशियोलॉजी और स्टैटिस्टिक्स में होनी चाहिए। इस फील्ड को ऑप्ट करने से पहले आप अपने कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर कर लें, क्योंकि इस स्किल की आपको बड़ी मात्रा में जरूरत पड़ने वाली है।

जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है, डेटा का महत्व भी बढ़ता ही जा रहा है। बाजार को समझने के लिए डेटा की जरूरत पड़ती है। कंपनी जब किसी प्रॉडक्ट को लॉन्च करती है, तो डेटा के आधार किए गए रिसर्च के आधार पर कंपनी को फैसले लेने होते हैं। ऐसे में मार्केट रिसर्चर की भूमिका अहम हो जाती है। वह रिचर्स के लिए लोगों के बीच में जाता है और उनके पसंद और नापसंद को आधार बनाते हुए यह एक डेटा तैयार करता है, जिसके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि प्रॉडक्ट का भविष्य क्या हो सकता है। कंपनी इसके माध्यम से टारगेट भी सेट करती है। इस अधार पर यह तय किया जाता है कि प्रॉडक्ट में मुख्य रूप से किसे टारगेट किया जाए। लोगों को प्रॉडक्ट के लिए लुभाने के लिए किस तरह के ऑफर दिए जाएं।

आप दिलचस्प तरीके से करियर को बिल्ड करना चाहते हैं और इसमें जबरदस्त ग्रोथ चाहते हैं, तो मार्केट रिसर्चर के रूप में करियर बनाने के लिए खुद को तैयार करें। डेटा में आपका मन रमता है, तो यह आपके लिए निश्चित रूप से एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

यहां कर सकते हैं पढ़ाई

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली।
नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सेल्स, नई दिल्ली।
सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया ऐंड कम्युनिकेशन, पुणे।
यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ।

मार्केट रिसर्चर उपभोक्ता की पसंद, खरीदारी की आदत, बाजार में रिसर्च के आधार पर एक डेटा तैयार करते हैं। इससे गुजरते हुए उन्हें कई दौर से होकर गुजरना होता है। इसके बाद वे रिपोर्ट, ग्राफिक इलेस्ट्रेशन के माध्यम से अपने रिसर्च को समझाते हैं कि कंपनी का कोई फैसला उन्हें कितना फायदा पहुंचा सकता है।

काम का स्वरूप

कंपनी की संभावित बिक्री और बाजार से संबंधित सभी तरीके मार्केट रिसर्चर के जॉब प्रोफाइल का हिस्सा होते हैं। स्टैटिस्टिक्स डेटा को आधार बनाते हुए उसे भविष्य का अनुमान लगाना होता है। उसे अपनी कंपनी को यह बताना होता है कि आने वाले दिन में मार्केट का रुख कैसा रहेगा। ये डेटा प्रश्नावली, टेलीफोन, इंटरनेट सर्वेक्षण या फिर व्यक्तिगत साक्षात्कार को आधार बनाकर तैयार किए जाते हैं। बहुत सारे रिसर्च ग्रुप डिस्कशन पर आधारित होते हैं। इस डेटा को कलेक्ट करने के बाद उन्हें उपभोक्ताओं की वरीयता को आधार प्रदान करते हुए डिजाइन तैयार करना होता है। ग्लोबल लेवल पर मार्केट रिसर्चर की ज्यादा डिमांड है। अगर आप इसे अपने करियर के तौर पर ऑप्ट करने जा रहे हैं, तो यह एक सही फैसला साबित हो सकता है।

इसमें सफलता हासिल करने के लिए आपको मार्केट के कल्चर को अच्छे से समझना होता है। इसके साथ ही आपको बिना थके अप्रोच करने की विशेषता को भी खुद के अंदर लाना होता है।

भारत की यह जगहें भी हैं घूमने लायक

मैग्नेटिक हिल

मैग्नेट हिल एक साइक्लोप्स हिल है जो भारत के लद्दाख में लेह के पास स्थित है। आसपास का क्षेत्र ढलानों के रुप में बना हुआ है, यहां पर यदि आप अगर अपनी कार में जाते हैं तो, दूर से देखने वाले को लगेगा कि आपकी कार लुढ़कने वाली है। यहां मौजूद पहाड़ी को मैग्नेटिक हिल इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह भारत का एक ऐसा अजूबा है जहां आमतौर पर पहाड़ी के फिसलन पर वाहन को गियर में डालकर खड़ा किया जाता है। यदि ऐसा नहीं किया जाए तो वाहन नीचे की ओर लुढ़ककर खाई में गिर सकता है लेकिन इस मैग्नेटिक हिल पर वाहन को न्यूट्रल करने खड़ा कर दिया जाए तब भी यह नीचे की और नहीं जाता।

माजुली

असम राज्ये में स्थापित माजुली शहर ने आज भी भारत की सभ्यता और संसकृति को सहेज कर रखा हुआ है। इसी के साथ माजुली असम का सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र भी है। माजुली न सिर्फ नदी से बना विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है, बल्कि यह असम के वैष्णव धर्म का केन्द्र भी है।

जीवित पुल

मेघालय में वहां के निवासियों के द्वारा बरगद और अंजीर के पेड़ की जड़ों की मदद से एक पुल तैयार किया गया। असल में गांवो के लोगों को अपनी जरुरत का सामान लाने के लिए नदी में से तैर कर जाना पड़ता था। इस वजह से सब लोग बहुत परेशान थे। फिर लोगों ने अपना दिमाग लगाकर एक बहुत ही सुंदर और भारत की शोभा बढ़ाने वाले पुल तैयार कर दिया।

देवदार के पेड़

कश्मीर और सिक्किम में मौजूद देवदार के पेड़ रोबर्ट पैटीसन और क्रिस्टीन स्टीवर्ट की फिल्म ट्वाईलाईट में दर्शाए गए एक सीन की याद दिला देते हैं। वैसे तो देवदार के पेड़ बहुत कम भारत में देखने को मिलते हैं। लेकिन यदि आप प्रकृति के नजारों को नजदीक से देखना चाहते हैं ।

तो आपको देवदार के पेडों का यह अद्भुत नजारा आवश्य देख कर आना चाहिए। इसके बाद आपको इस जगह से

ऊटी तमिलनाडु राज्य का एक शहर है। कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा पर बसा यह शहर मुख्य रूप से एक पर्वतीय स्थल (हिल स्टेशन) के रूप में जाना जाता है। यह तमिलनाडु प्रांत में नीलगिरी की पहाड़ियों में बसा हुआ एक लोकप्रिय पर्वतीय स्थल है। रोमेंटिक होने के साथ-साथ प्राचीन समुद्र तटों, हिल स्टेशनों और शानदार वन्य जीवन को खुद में समाए बैठा यह एक नामचीन शहर है। अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों मौज मस्ती का प्लान बना रहें हैं तो जान लीजिए ऊटी के कुछ हसीन नजारों के बारे में कुछ विस्तार से...

भारत के खूबसूरत पर्यटक स्थलों में एक है ऊटी

ऊटी ऊटी की सैर के लिए आने वाले पर्यटक में ऊटी झील जाए बिना वहां से वापिस नहीं आते। यह झील मानव निर्मित है जो लगभग 65 एकड़ के क्षेत्र में फ़ैली हुई है। मानसून के दौरान पहाड़ों से बहकर आने वाले पानी को एकत्रित करके इस झील का निर्माण किया गया।यहां बोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध होने के कारण यह झील पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। इसके शांत जल में सैर करते हुए आप यहां की सुंदरता का आनंद उठा सकते हैं।

डाबेट्टा चोटी

डाबेट्टा चोटी नीलगिरी की पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी है तथा कन्नड़ भाषा में इसका अर्थ बड़ा पर्वत होता है। यह पर्वत 8650 फुट ऊंचा है तथा यह ऊटी शहर से 9 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। कोटागिरी रास्ते के द्वारा यहाँ पहुंचा जा सकता है। डोडाबेट्टा चोटी से चामुंडी पहाड़ियों का स्पष्ट दृश्य देखा जा सकता है। डोडाबेट्टा की अद्वितीयता इसकी चोटी में है जो वास्तव में एक चपटा वक्र है।पर्यटन के मौसम में अर्थात अप्रैल और मई के महीनों में प्रतिदिन लगभग 3500 पर्यटक इस चोटी की सैर करने के लिए आते हैं। यहां दूरबीन के जरिए पर्यटक घाटी के दूर-दूर के दृश्य देख सकते हैं।



लॉक डाउन

लॉक डाउन ऊटी के पास स्थित एक प्रसिद्ध स्थान है तथा यह स्थान बहुत सुंदर होने के कारण मुख्य रूप से शूटिंग के लिए प्रसिद्ध है। ढलावदार पहाड़ियां, घास के हरे मैदान, बड़ी जगह तथा दूर दूर तक फ़ैली हुई हरियाली आपके दिल को खुश कर देते हैं। स्वतंत्रता के पूर्व यह स्थान यूरोपीयन लोगों में बहुत लोकप्रिय था जो शिकार के लिए अक्सर यहां आया करते थे। जब स्वतंत्र भारत में जब शिकार पर प्रतिबन्ध लगा तब यह स्थान स्थानीय लोगों में एक पिकनिक स्थान के रूप में लोकप्रिय हुआ। आज जो भी व्यक्ति देश के इस भाग में आता है वह इस स्थान की सैर किये बिना जाता नहीं है। यहां गोल्फ कोर्स तथा भेड़ों का एक सरकारी फ़ार्म भी है।

लेंच झील

लेंच झील नीलगिरी की पहाड़ियों में स्थित है तथा ऊटी शहर से लगभग 28 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। 19 वीं शताब्दी में यहाँ बर्फ की चट्टान के सरकने के कारण यह झील बनी थी। इसी आधार पर इसका नाम रखा गया है। झील के आसपास का क्षेत्र जादुई है। झील के आसपास की पहाड़ियां पर मैग्नोलिया (सफ़ेद या गुलाबी रंग के फूल) सदैव खिले रहते हैं। आपको झील के आसपास अनेक पर्यटक टहलते हुए दिखाई देंगे। ट्राउट (एक प्रकार की मछली) से भरी इस झील में अनेक लोग मछली पकड़ना पसंद करते हैं। पर्यटक झील के किनारे कैंप भी लगा सकते हैं तथा अपना अधिकतम समय झील के किनारे टहलते हुए बिता सकते हैं। कुछ लोग साहसिक गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग आदि में व्यस्त रहते हैं जबकि कुछ लोग राफ्टिंग के खेल का भी आनंद उठाते हैं।

फ्लॉवर शो

ऊटी में फ्लॉवर शो का भी आयोजन किया जाता है।यहां के बोटेनिकल गार्डन में फूलों की विधिन्न प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां आपको विदेशी और स्वदेशी दोनों प्रकार के फूल देखने को मिल सकते हैं। इस फ्लॉवर शो के महत्व को बढ़ाने के लिए आयोजक कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करते हैं। पूरे देश से कई प्रतिभागी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं तथा उनके द्वारा लगाये गए फूल प्रदर्शन के लिए रखते हैं। विभिन्न श्रेणियों में लगभग 250 लोग इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। यह शो (प्रदर्शन) दो से तीन दिन तक चलता है। इस फ्लॉवर शो की खास बात यह है कि लोग फूलों से अलग-अलग तरह की आकृतियां बनाते हैं।

जर्नलिजम स्टूडेंट्स न रहें नौकरी के भरोसे, शुरू करें अपनी कंपनीः रिसर्च

आप पत्रकारिता के स्टूडेंट्स हैं, प्रिंट मीडिया या टीवी की नौकरी के बारे में सोच रहे हैं तो विचार बदल लें। बेहतर होगा, अपना खुद का काम जैसे वेबसाइट्स या पीआर फर्म का काम शुरू करें। यह बात एक स्टडी में सामने आई है। राइस यूनिवर्सिटी और रटगर्स यूनिवर्सिटी की स्टडी से यह बात सामने आई है कि शिक्षक जर्नलिजम के स्टूडेंट्स को न्यूज बिजनस के अलावा काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राइस यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रफेसर मैक्स बेसब्रिस के मुताबिक टीचर्स स्टूडेंट्स को समझा रहे हैं कि उन्हें ट्रडिशनल न्यूज ऑर्गनाइजेशंस में नहीं जाना चाहिए। वे टेम्पररी, कॉन्ट्रैक्ट पर या फ्रीलांस वर्क, नॉन न्यूज ऑर्गनाइजेशंस, सरकारी या गैर सरकारी ऑर्गनाइजेशंस के लिए या किसी और जगह पर भी काम कर सकते हैं। आजकल पेपर बंद हो रहे हैं और सूचनाएं इंटरनेट, सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। ऑथर्स ने बताया कि जर्नलिजम की शिक्षा देने वाले इंडस्ट्री में होने वाले बदलाव के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हैं। स्टडी के लिए जिन लोगों का इंटरव्यू लिया गया, उन्होंने कहा कि वे बदलाव को स्वीकार करते हैं और पुराने मॉडल में लौटना बेकार समझते हैं।

उन्होंने यह भी माना कि स्टूडेंट्स को जर्नलिजम में जॉब की अनिश्चतता वाले करियर के तौर पर स्वीकारना चाहिए। उन्होंने जितने भी शिक्षकों का इंटरव्यू लिया उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टूडेंट्स को जितना हो सके फाइनैंशल रिस्क लेकर अपना काम शुरू करने वाला होना चाहिए और अपना बिजनस या वेबसाइट शुरू करने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए। उन्होंने स्टूडेंट्स को बढ़िया राइटर या फोटोजर्नलिस्ट बनने पर जोर देने के बजाय लिखने से लेकर एडिट करने या रिकॉर्डिंग और डिजाइनिंग तक हर स्किल डिवेलप करने की शिक्षा दी। कुछ टीचर्स इंडस्ट्री में होने वाले इस बदलाव से दुखी भी थे। इस स्टडी के लिए 113 फैकल्टी, स्टाफ और ऐडमिनिस्ट्रेटर्स का इंटरव्यू लिया गया था।



पब्लिक रिलेशन में कैसे बनाएं करियर, जानें सबकुछ

अगर आप सोचते हैं कि अपनी बात लोगों से मनवा सकते हैं, रोचक ढंग से बातें कर सकते हैं और दबाव झेल सकते हैं तो पब्लिक रिलेशन (पीआर) में करियर आपके लिए बेहतर रहेगा। पीआर प्रतिनिधि के तौर पर आपकी सिर्फ एक भूमिका रहेगी। आपको बिजनस हाउसों, संस्थानों, लोगों और सरकारी संस्थानों के लिए अभियान चलाना होगा ताकि उनका लोगों के साथ अच्छा संबंध बन सके और वह संबंध बरकरार भी रहे। पीआर एग्जिक्युटिव की भूमिका में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया का इस्तेमाल करके किसी प्रॉडक्ट, कंपनी या किसी व्यक्ति का प्रमोशन करना होता है और इस तरह से एक ब्रैंड तैयार करना और उसका विकास करना होता है। जरूरी कौशल पीआर प्रतिनिधि के तौर पर आपके पास सूचनाओं का भंडार होना चाहिए। इसके



अलावा रचनात्मकता, विश्वसनीयता, तकनीक पर पकड़, अच्छा प्रबंधकीय कौशल अन्य गुण हैं जो आपके अंदर होने चाहिए। सिर्फ यही नहीं बल्कि लिखित और मौखिक संचार कौशल, भाषाओं के ऊपर मजबूत कमान, लचीलता और आयोजनों का अच्छा कौशल भी इस फील्ड में काफी जरूरी है।पात्रता पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपका किसी भी स्ट्रीम में ग्रैजुएट होना जरूरी है। अगर मास मीडिया में ग्रैजुएशन हो तो ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। आप पब्लिक रिलेशंस में एक साल का पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कर सकते हैं। या फिर कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कर सकते हैं। दूसरे साल में आप मास्टर्स डिग्री में पीआर में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पीआर में कोर्स के दौरान मुख्य रूप से लाइव प्रॉजेक्ट असेसमेंट और इंटर्नशिप पर जोर दिया जाएगा जिससे आपको प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। करियर की संभावनाएं बिजनस के मौके बढ़ने के साथ पीआर एक्सपर्ट्स की मांग बढ़ रही है। फ्रेशर होने पर आप किसी पीआर एजेंसी से एग्जिक्युटिव के तौर पर अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। एंट्री लेवल पर आपको अपनी शैक्षिक योग्यताओं के भरोसे रहना होगा। अनुभव के साथ आपकी सैलरी बढ़ती जाएगी। फ्रेशर के तौर पर आपको अकाउंट्स एग्जिक्युटिव, कम्यूनिकेशन एग्जिक्युटिव और इवेंट मैनेजर्स आदि के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। फ्रेशर के तौर पर आपको बतौर इंटर्न भी हायर किया जा सकता है और 8,000 से 10,000 का शुरुआती पैकेज मिलेगा। बढ़ते अनुभव के साथ वेतन भी बढ़कर 50 से 80 हजार हर महीने हो जाएगा।

न्यूज इन शॉर्ट



ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह पर शकुंतला फाउंडेशन का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

रायपुर। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ और संत गोविंदराम शडाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, देवेंद्र नगर, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में महाविद्यालय की सैकड़ों छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परामर्श का लाभ लिया। फाउंडेशन की अध्यक्ष स्मिता सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला शिक्षकों और छात्राओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान आर्टिमिस शांति अस्पताल की कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुशीला येशाला ने ब्रेस्ट कैंसर के शुरुआती लक्षणों, स्वयं जांच की विधि, बचाव और समय पर उपचार के महत्व पर जानकारी दी। जागरूकता सत्र में समय पर पहचान के महत्व पर जोर दिया गया।महिलाओं को स्तन स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता टॉक शो के साथ अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। ए.एस.जी. नेत्र अस्पताल, शंकर नगर की विशेषज्ञ टीम ने नि:शुल्क नेत्र जांच की, जबकि सिग्निया डेंटल स्टूडियो, रायपुर की डॉ. तान्या गावा पाण्डेय ने नि:शुल्क दंत जांच की। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य उषा किरण अग्रवाल, एनएसएस प्रभारी मनीषा गर्ग, शकुंतला फाउंडेशन के संरक्षक डॉ. एन.के. अग्रवाल, अध्यक्ष स्मिता सिंह, विशाल मिश्रा और डॉ. निकिता जसवानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्मिता सिंह ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता और समय पर पहचान महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने बताया कि शकुंतला फाउंडेशन भविष्य में भी महिला स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रम जारी रखेगा।

बिना पंजीयन पैरामेडिकल संस्थान का संचालन पर गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट सील

सूरजपुर। जिले में शैक्षणिक संस्थानों के संचालन में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर रेना जमील के निर्देशन में ग्राम तिलसिवां स्थित गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट को बिना पंजीयन संचालित पाए जाने पर सील कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में अध्ययनरत डी.एम.एल.टी. एवं बी.एम.एल.टी. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा से वंचित किए जाने तथा उनका शैक्षणिक वर्ष प्रभावित होने संबंधी शिकायत जिला प्रशासन को प्राप्त हुई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई गई।जांच में पाया गया कि संबंधित संस्थान का छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल, रायपुर में पंजीयन नहीं था। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, तहसीलदार सूर्यकांत साय तथा नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश श्रेष्ठ एवं उनकी टीम की उपस्थिति में गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट को सील करने की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दी है जिले में संचालित अन्य संबंधित संस्थाओं की भी जांच की जाएगी। जांच के दौरान पंजीयन, मान्यता एवं निर्धारित मापदंडों के पालन की स्थिति का परीक्षण किया जाएगा। किसी भी संस्थान में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेयजल आपूर्ति और प्रधानमंत्री सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें: ज्योत्सना महंत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



कोरिया। लोकसभा क्षेत्र कोरबा की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने पेयजल आपूर्ति और प्रधानमंत्री सड़क योजना के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत के मंथन कक्ष में उनकी अध्यक्षता में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक में जिले में संचालित केंद्रीय जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने योजनाओं के क्रियान्वयन और जिले की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण दिया। सांसद महंत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में प्रधानमंत्री सड़क योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्वीकृत सड़क निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करने और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने इनके सुचारु क्रियान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सांसद ने बालिका विद्यालयों में शौचालय, पेयजल और चारदीवारी जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत बताई। उन्होंने आवश्यक कार्यों के लिए एसईसीएल को प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए महंत ने दुर्घटनाप्रवण क्षेत्रों की पहचान कर वहां सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा। भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तालाबों और नदियों के पुनरुद्धार तथा जल संरक्षण पर केंद्रित कार्य करने के निर्देश दिए।हसदेव नदी के मूल उद्गम को संरक्षित रखते हुए उद्गम स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा। बैठक में कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों, बिहान के माध्यम से महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की पहल और आवास योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए निर्माणाधीन 200 बिस्तर वाले अस्पताल का कार्य प्रगति पर है और इसे शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा। कलेक्टर ने जनजातीय कार्य मंत्रालय की योजनाओं, कृषि, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की प्रगति भी प्रस्तुत की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा, पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेन्द्र श्रीवास, जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर अध्यक्ष उदय सिंह सहित अन्य नामित प्रतिनिधि उपस्थित रहे। और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का ध्यान रखें एजेंसियां: योगेन्द्र श्रीवास

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

कोरिया जिले में विकास के लिए हो रहे प्रत्येक निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है। कलेक्टर कोरिया रोक्तिमा यादव ने सभी अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति व गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसी तारतम्य में बुधवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत योगेन्द्र श्रीवास द्वारा जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। अपने औचक निरीक्षण के तहत उन्होने बैकुण्ठपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत अमरपुर, सलवा, सलका, कंचनपुर एवं बुढ़ार में विकसित भारत जीरामजी योजनांतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों का जायजा लिया और संबंतिधों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।कलेक्टर कोरिया के निर्देशन में जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के कई ग्राम पंचायतों के औचक निरीक्षण में निकले जिला पंचायत सीईओ योगेन्द्र श्रीवास ने सबसे पहले ग्राम पंचायत अमरपुर पहुंचकर यहां बन रहे आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया। समय पर कार्य पूर्णता के निर्देश देने के बाद उन्होने अमरपुर में जल संरक्षण के लिए हो रहे कंटूर ट्रेंच कार्य का भी अवलोकन किया। अमरपुर के बाद सीईओ ने ग्राम पंचायत सलबा में बन रहे बालिका शौचालय निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत बोड़ार के आंगनबाड़ी भवन तथा कंटूर ट्रेंच कार्य का अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्होने ग्राम पंचायत कंचनपुर पहुंचकर वहां विद्यालयीन परिसर में बन रहे सर्वसुविधा युक्त प्रगतिरत बालिका शौचालय निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का आंकलन करते हुए जिला पंचायत सीईओ योगेन्द्र श्रीवास ने कहा कि प्रत्येक निर्माण कार्य ग्राम पंचायत के लिए एक संसाधन की तरह होता है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को सतत पर्यवेक्षण और मूल्यांकन करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए एजेंसियां समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण कराएं जिससे आम नागरिकों की सहूलियत बढ़ सके।

सरस्वती शिशु मंदिर में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत कार्यशाला

विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई

एक सत बुलेटिन ➤ अंबिकापुर



जिले में बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, अंबिकापुर में 'सुरक्षित बचपन' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, सुरक्षा संबंधी कानूनों, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण की नीलम बनसोडे ने विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, बच्चों को मिलने वाली कानूनी सहायता, नालसा की बाल हितैषी योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी सुमंती खाखा ने पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह रोकथाम, साइबर सुरक्षा एवं स्पॉन्सरशिप योजना की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान करने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया। मिशन शक्ति की जिला समन्वयक नूतन सिंह ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसरों के महत्व की जानकारी दी। वहीं नेहा सिंह ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता तथा छात्र जीवन में अनुशासन के महत्व से अवगत कराया।कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने बच्चों की सुरक्षा के लिए संचालित हेल्पलाइन सेवाओं की कार्यप्रणाली समझाई। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, हिंसा, शोषण अथवा असुरक्षित परिस्थिति में संबंधित हेल्पलाइन और विधिक सेवा प्राधिकरण की सहायता ली जा सकती है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के साथ बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव वं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

सुरक्षित बचपन अभियानः

विद्यार्थियों को बाल अधिकारों व सुरक्षा कानूनों की दी गई जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ अंबिकापुर

बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों के संरक्षण एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरक्षित बचपन जागरूकता अभियान के अंतर्गत दशमेश पब्लिक स्कूल, अंबिकापुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम 2012, अच्छे और बुरे स्पर्श की पहचान तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के सुरक्षित बचपन अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि बच्चों को किसी भी प्रकार के यौन शोषण, उत्पीड़न एवं अनुचित व्यवहार से सुरक्षित रखना परिवार, विद्यालय और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बीच अंतर समझाते हुए किसी भी असहज या असुरक्षित परिस्थिति में बिना डर के अभिभावकों, शिक्षकों अथवा विश्वसनीय व्यक्तियों को जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 के प्रमुख प्रावधानों से अवगत कराया गया। बताया गया कि यह कानून 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन हमले एवं अश्लील उद्देश्यों के लिए उनके उपयोग जैसे अपराधों से संरक्षण प्रदान करता है। साथ ही ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था की गई है। बच्चों को अनुचित व्यवहार की पहचान करने और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी भी दी गई।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी गई। इसके साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं ा, सुरक्षा एवं समान अवसरों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

जल जीवन मिशन से आमगांव में घर-घर पहुंच रहा स्वच्छ पेयजल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जल जीवन मिशन के तहत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान स्थित ग्राम आमगांव में हर घर नल से जल पहुंचाने की पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। 648 की आबादी वाले इस गांव में 138 घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही पेयजल आपूर्ति के लिए 40 किलोलीटर क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण किया गया है। इस सुविधा से ग्रामीण परिवारों को घर पर ही पानी उपलब्ध हो रहा है। ग्राम आमगांव में पहले ग्रामीणों को दैनिक उपयोग एवं पेयजल के लिए दूर-दराज के जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में पानी की उपलब्धता बड़ी चुनौती बन जाती थी। महिलाओं एवं बच्चों को पानी लाने में काफी समय व्यतीत करना पड़ता था, जिससे उनके दैनिक कार्य और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में नल कनेक्शन स्थापित होने के बाद ग्रामीणों को इस परेशानी से राहत मिली है।



घर की चौखट तक नल से पानी पहुंचने से गांव की महिलाओं को विशेष सुविधा मिली है। पहले पानी लाने में लगने वाला समय अब परिवार की देखभाल, बच्चों की शिक्षा, घरेलू कार्यों और आजीविका संबंधी गतिविधियों में उपयोग हो रहा है। इससे ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हुई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में पेयजल सुविधा के विस्तार के साथ ग्रामीणों को स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल के उपयोग और जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा ग्रामीण समुदाय की सहभागिता से जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही जल की गुणवत्ता की निगरानी और जलस्रोतों के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी जा रही है।ग्रामवासियों के अनुसार पहले पानी के लिए काफी दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब घर में नल से पानी मिलने से दैनिक जीवन आसान हुआ है। पानी लाने में लगने वाले समय की बचत होने से परिवार के अन्य जरूरी कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है। ग्राम आमगांव में जल जीवन मिशन के माध्यम से उपलब्ध कराई गई पेयजल सुविधा ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

प्रगति-50 में छत्तीसगढ़ के दोनों शहर शामिलः

रायपुर-बिलासपुर को बनाएंगे स्वच्छता का मॉडल भार जनता पर, खर्च वसूलने यूजर चार्ज भी बढ़ाएंगे

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर और बिलासपुर को स्वच्छता के मामले में देश के मॉडल शहरों के रूप में विकसित करने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत शुरू किए गए 'प्रगति-50' कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के इन दोनों शहरों को शामिल किया है।

योजना के तहत कचरा प्रबंधन से लेकर सार्वजनिक शौचालय, सीवेज के निपटान और शहर के सौंदर्यीकरण तक कई काम तय समय-सीमा में पूरे करने होंगे। लेकिन इस योजना के लिए केंद्र सरकार से अलग से कोई अतिरिक्त फंड नहीं मिलेगा। ऐसे में रायपुर और बिलासपुर नगर निगमों को अपने स्तर पर ही संसाधन जुटाने होंगे।

केंद्र के निर्देशों में स्वच्छता पर होने वाले खर्च का कम से कम 15 प्रतिशत यूजर चार्ज से वसूलने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में यदि नगर निगम इसके लिए मौजूदा दरों में बढ़ोतरी करते हैं, तो इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ सकता है।



फिलहाल रायपुर में घरों से कचरा एकट्?ठा करने के एवज में घरेलू से 40 से 80 रुपए प्रतिमाह और व्यावसायिक दुकानों से 180 से 700 रुपए प्रतिमाह यूजर चार्ज लिया जा रहा है। प्रगति-50 के लिए यूजर चार्ज से होने वाली आय बढ़ाने पर जोर है। प्रगति-50 के तहत दोनों शहरों में सात दिन के भीतर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में निकाय स्तरीय दल का गठन करना होगा।15 दिन में वार्डवार स्वच्छता व्यवस्था का आकलन और 30 दिन में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इसमें छह महीने, 12 महीने और 24 महीने के लक्ष्य तय किए जाएंगे। रेलवे कॉलोनियों, औद्योगिक क्षेत्रों और नगर निगम सीमा से जुड़े अन्य इलाकों में भी स्वच्छता मानक लागू करने के लिए संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय होगी।

छह महीने में कचरा प्रबंधन सुधारने का लक्ष्य

पहले छह महीने में घर-घर कचरा लेना 100 प्रतिशत और स्रोत पर कचरा अलग करने का काम कम से कम 50 प्रतिशत तक पहुंचाना होगा। कचरा वाहनों की डिजिटल ट्रैकिंग, बड़े पैमाने पर कचरा निकालने वाले संस्थान और निर्माण अपशिष्ट का 100 प्रतिशत निस्तारण तथा कम से कम एक आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकिल) केंद्र स्थापित करना होगा।

बाजार, बस स्टैंड, अस्पताल और रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रात में सफाई और दिन में दो बार कचरा संग्रहण की व्यवस्था भी करनी होगी।इसके अलावा पुराने डंपसाइट पर जमा कचरे का 75 प्रतिशत उपचार, वहां नए कचरे की डंपिंग पर रोक, कचरा संवेदनशील स्थलों को खत्म करने और सार्वजनिक शौचालयों को चालू रखने का लक्ष्य रखा गया है। फुटपाथों को मलबे से मुक्त करने और शहर के सौंदर्यीकरण पर भी काम करना होगा।

48 संकेतकों से होगी निगरानी

दोनों शहरों की प्रगति स्वच्छतम पोर्टल पर 48 प्रमुख संकेतकों के आधार पर मापी जाएगी। निकाय स्तर पर साप्ताहिक, राज्य स्तर पर हर 15 दिन और राष्ट्रीय स्तर पर मासिक या द्वि-मासिक समीक्षा होगी। आंकड़ों का स्वतंत्र मैदानी सत्यापन भी किया जाएगा। निर्धारित समय में अनिवार्य लक्ष्य पूरे नहीं करने पर नकारात्मक अंकन का प्रावधान है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।